हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 172 बेमेतरा, गुरुवार 12 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता व पूर्व मंत्री मदन चौहान पर जानलेवा हमला

हापुड़ । जनपद हापुड़ के थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मदन चौहान पर फॉर्च्यूनर सवार बदमाशों ने जानलेवा हमला करने का प्रयास किया। घटना कोतवाली क्षेत्र के गांव हिरणपुरा के पास की बताई जा रही है। गनीमत यह रही कि बदमाशों द्वारा पिस्टल का ट्रिगर दबाने के बावजूद गोली नहीं चली और एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के अनुसार, पूर्व मंत्री मदन चौहान गांव हिरणपुरा में एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वह गांव के समीप पहुंचे, तभी सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार में सवार तीन से चार युवकों ने उनकी गाड़ी को अचानक रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने मदन चौहान के साथ अभद्रता की और उन पर पिस्टल तान दी। पूर्व मंत्री ने बताया कि बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाकर फायरिंग करने की कोशिश की, लेकिन ट्रिगर दबने के बाद भी गोली नहीं चल सकी।

एनसीआर में बदलते मौसम और प्रदूषण का दोहरा असर

नोएडा। एनसीआर दिल्ली-नोएडा-गाजियाबाद में मौसम के लगातार बदलते मिजाज और वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर ने लोगों की सेहत पर गंभीर असर डालना शुरू कर दिया है। जिला अस्पतालों की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों में करीब 50 प्रतिशत मरीज मौसमी बीमारियों से पीड़ित पाए जा रहे हैं। खासतौर पर उल्टी, दस्त, बुखार, गले में खराश, सांस लेने में दिक्कत और एलर्जी के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 10 से 12 फरवरी तक एनसीआर में मौसम में हल्की धुंध बनी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सुबह और शाम हल्की ठंड जबकि दिन में तेज धूप का असर लोगों को बीमार कर रहा है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई लाल श्रेणी में दर्ज किया गया।

मैकेनिक की आड़ में बिश्नोई गैंग के लिए हथियार सप्लाई करता था आरोपी आसाराम

मुंबई । फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच नए-नए खुलासे कर रही है। अब पुलिस के हाथ नई जानकारी लगी है। पता चला है कि हथियार सप्लाई करने वाला गिरफ्तार आरोपी आसाराम फासले पिछले चार सालों से बिश्नोई गैंग के लिए काम कर रहा था। आसाराम गैरेज मैकेनिक की आड़ में यह सब कर रहा था। फासले पुणे के मालवली इलाके का रहने वाला है और पिछले दस साल से वारजे क्षेत्र के एक गैरेज में मैकेनिक के तौर पर काम करता आ रहा था। जांच में सामने आया कि वह शुभम लोनकर से बहुत प्रभावित था।

लोकसभा में राहुल गांधी का बड़ा आरोप

मोदी ने भारत माता को बेच दिया,किरेन रिजिजू ने मांगा सबूत

नई दिल्ली/ एजेंसी

आज बजट सत्र का दसवां दिन है और लोकसभा की कार्यवाही में नेता विपक्ष राहुल गांधी का भाषण शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि बजट में वर्तमान चुनौतियों का कोई उल्लेख नहीं है, और विशेषकर एआई और डेटा से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि आज के दौर में एआई अत्यंत महत्वपूर्ण है। नेता विपक्ष ने कहा कि हम युद्ध के युग में जी रहे हैं। रूस-यूक्रेन में संघर्ष जारी है, चीन अमेरिका को चुनौती दे रहा है, और ऊर्जा व वित्तीय साधन अब हथियार बन चुके हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच भी ऑपरेशन सिंदूर चल रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के इन संघर्षों के बीच हमारे बजट में कोई रणनीति नहीं है। राहुल गांधी ने अमेरिका और भारतीय डेटा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की बड़ी आबादी हमारी ताकत है, लेकिन यह तभी उपयोगी होगी जब इसे सही ढंग से समझा जाएगा। अगर इंडिया ब्लॉक के राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत कर रहे होते, तो इस डील में सबसे महत्वपूर्ण तत्व भारतीय डेटा होता। आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया में भू-राजनीतिक संघर्ष तेजी से बढ़ रहे हैं। अमेरिका के प्रभुत्व को चीन, रूस और अन्य ताकतों से चुनौती मिल रही है। साथ ही, ऊर्जा और वित्तीय साधनों के शस्त्रीकरण का दौर जारी है। राहुल गांधी ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि अमेरिका हमारे फैसलों को प्रभावित कर रहा है। कृषि क्षेत्र

अमेरिका के लिए खोला गया, जिससे किसानों की अनदेखी हुई। उन्होंने अमेरिका के बढ़ते टैरिफ और प्रधानमंत्री की कथित चिंता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र का रक्षा बजट प्रभावित होता दिखता है और इसमें मिस्टर अडानी का नाम जुड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि अडानी एक सामान्य व्यवसायी नहीं हैं और उनकी कंपनी पर अमेरिका में केस चल रहा है। उनका कहना था कि यह कंपनी बीजेपी के वित्तीय ढांचे का हिस्सा है। इस पर रविशंकर प्रसाद और किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताई। राहुल गांधी ने अनिल अंबानी का भी उदाहरण दिया और पूछा कि वह जेल में क्यों नहीं हैं। इसका संबंध उन्होंने एपस्टीन फाइल से जोड़ा। इस पर भी सदन में आपत्ति उठी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के हितों से समझौता किया है। उन्होंने भावनात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि देश की अस्मिता से जुड़ा मुद्दा है और सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। उनके इस बयान के बाद सदन में हंगामे जैसी स्थिति बन गई। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस समझौते से अमेरिकी कृषि उत्पादों की भारत में आमद बढ़ेगी, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और घरेलू उद्योग कमजोर होंगे।

किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से मांगा सबूत

राहुल गांधी के बयान के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से सबूत मांगा है। साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि सरकार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफविशेषाधिकार

हनन नोटिस (प्रिविलेज नोटिस) दाखिल करने जा रही है। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन को गुमराह करने और बेबुनियाद तथा निराधार बयान देने का काम किया है। उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा की प्रक्रिया एवं आचरण के नियमों का हवाला देते हुए बताया कि जब कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है।

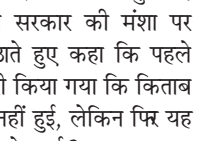

सलमान-अजय का मिला सहारा

तिहाड़ जेल से जल्द बाहर आएंगे राजपाल यादव...!

नई दिल्ली। कॉमेडी के लिए मशहूर अभिनेता राजपाल यादव इन दिनों 5 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले को लेकर तिहाड़ जेल में हैं। साल 2010 से जुड़ा यह मामला अब ऐसा मोड़ ले चुका है कि अभिनेता को सरेंडर करना पड़ा। जेल जाने से पहले राजपाल यादव ने खुलकर कहा था कि उनके पास पैसे नहीं हैं और उनके सामने कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। उन्होंने भावुक अंदाज में यह भी कहा था कि इंडस्ट्री में ऐसा कोई दोस्त नहीं है जो इस वक्त उनकी मदद कर सके। लेकिन हालात बदले और अब बॉलीवुड उनके समर्थन में खड़ा

नजर आ रहा है। राजपाल यादव के मैनेजर गोल्डी ने से बातचीत में बताया कि कई बड़े सितारों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। उनके मुताबिक सोनू सूद, सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन समेत कई कलाकारों ने राजपाल का साथ दिया है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पटना के सिविल कोर्ट में पेश होने के लिए जेल से आए। यादव को फरवरी 2026 में कथित तौर पर डॉक्यूमेंट जालसाजी से जुड़े 31 साल पुराने 1995 के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

मोदी सरकार से पूछे तीखे सवाल

दुश्मन देश के सेना प्रमुख जैसा व्यवहार क्यों:प्रियंका

मुंबई। शिवसेना की फायरब्रांड नेता और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की संस्मरण को लेकर जारी विवाद पर मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर एक पूर्व सेना प्रमुख की बातों से सरकार इतनी विचलित क्यों है प्रियंका चतुर्वेदी ने किताब के प्रकाशन को रोकने के प्रयासों को 'शर्मनाक' करार दिया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा,सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे किसी दुश्मन देश के आर्मी चीफ की किताब आई हो।

क्या हम पाकिस्तान के जनरल की बात कर रहे हैं? जनरल नरवणे हमारे अपने देश के सेना प्रमुख रहे हैं। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले बयान जारी किया गया कि किताब प्रकाशित नहीं हुई, लेकिन फिर यह चर्चा में कैसे आई?

अन्नदाता का मान ही हमारी सरकार की पहचान

समर्थन मूल्य के अंतर की राशि होली के पहले एकमुश्त देने का निर्णय-मुख्यमंत्री

■ लगभग 10,000 करोड़ सीधे 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में जाएंगे

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को ?3100 प्रति क्विंटल के मान से

अंतर की राशि होली पर्व से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। इस निर्णय के तहत लगभग 10,000 करोड़ की राशि 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता भाइयों-बहनों की मुस्कान ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल धान की खरीदी नहीं करती, बल्कि किसानों के परिश्रम का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और उनके सम्मान की रक्षा करना अपना दायित्व मानती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही उत्सव का उल्लास बढ़ेगा।उल्लेखनीय है कि खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में राज्य के 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत बीते दो वर्षों में किसानों को धान मूल्य अंतर की राशि के रूप में ?25,000 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

बैंड बाजे वाले बयान पर बुरे फंसे प्रताप बाजवा, पंजाब राज्य अनुसूचित जाति कमीशन ने किया तलब

चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति कमीशन द्वारा बैंड बाजे वाली टिप्पणी करने के मामले में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा को तलब कर लिया गया है। आयोग ने नोटिस भेजकर 11 फरवरी बाद दोपहर 3 बजे बाजवा को पेश होने के लिए कहा है। इस दौरान आयोग ने एसएसएपी अमृतसर से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। याद रहे कि लीडर ऑफ अपोज़िशन प्रताप सिंह बाजवा ने एक पॉलिटिकल रैली में कैबिनेट मिनिस्टर हरभजन सिंह श्व्रञ्जह का ज़िक्र करते हुए एक कमेंट किया था, जिसे,क्क ने दलित कम्युनिटी पर हमला बताया था। उधर, आप पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों ,विधायकों, चेयरमैन व कार्यकर्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा।

सिर्फ वादे नहीं....

रोजगार और स्टार्टअप्स के लिए ठोस रोडमैप तैयार-वित्तमंत्री सीतारमण.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट बहस पर लोकसभा को संबोधित किया। लोकसभा को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट की रणनीतिक प्राथमिकताओं के बारे में बताया और इससे जुड़े तथ्यों को सुव्यवस्थित तरीके से सदन के पटल पर रखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने श्रम प्रधान क्षेत्रों को बजट में प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत बायोफार्मा सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप्स के विस्तार के लिए उन्हें बड़े डोमेन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताते हुए वित्त मंत्री ने

साफ किया है कि मेगा टेक्सटाइल पार्कों के विकास के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम करने को पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, इस बजट में सकल कर प्राप्तियां 44.04 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह 2025-26 के अनुमानित राजस्व से लगभग 8 प्रतिशत अधिक है, यानी इसमें 3.26 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। यदि हम 2026-27 के कुल व्यय को देखें, तो यह 53.47 लाख करोड़ रुपये है, जो हमारी कर प्राप्तियों से कहीं अधिक है। पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जो जीडीपी का 3.1 प्रतिशत है और 2025-26 के अनुमानित राजस्व से 11.5 प्रतिशत अधिक है... वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पर परिचर्चा के दौरान लोकसभा में बोलते हुए कहा, 16वें वित्त आयोग ने 2018-19 से 2022-23 तक केंद्र की ओर से राज्यों को हस्तांतरित किए गए राज्य के हिस्से का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि इन सभी वर्षों में केंद्र की ओर से किया गया।

केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन

अब जन गण मन से पहले बजेगा वंदे मातरम् जानिए क्या हैं नियम

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सम्मान को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों का मकसद यह स्पष्ट करना है कि वंदे मातरम को भी उसी गरिमा और आदर के साथ प्रस्तुत किया जाए, जैसा देश के अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों को दिया जाता है। गृह मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, अब जब भी वंदे मातरम किसी सरकारी कार्यक्रम, सरकारी स्कूल के आयोजन या अन्य आधिकारिक समारोह में बजाया जाएगा, वहां मौजूद सभी लोगों को उसके सम्मान में खड़ा रहना होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार ने यह भी तय किया है कि वंदे मातरम का पूरा छह छंदों वाला संस्करण, जिसकी अवधि करीब 3 मिनट 10 सेकेंड है, अब राष्ट्रगान जन गण मन से पहले बजाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह संदेश देना है कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों की अपनी अलग पहचान और महत्व है। यदि किसी आयोजन में दोनों को एक साथ गाया या बजाया जाता है, तो पहले वंदे मातरम और उसके बाद जन गण मन प्रस्तुत किया जाएगा। इस पूरे समय के दौरान लोगों को सावधान मुद्रा में खड़े रहना होगा। नई गाइडलाइन के तहत कई महत्वपूर्ण सरकारी अवसरों पर वंदे मातरम बजाने की व्यवस्था की गई है। इसमें तिरंगा फहराने के मौके, राष्ट्रपति के आगमन और राष्ट्र के नाम उनके संबोधन से पहले और बाद की स्थिति शामिल है। इसके अलावा राज्यपालों के आगमन, उनके भाषणों और नागरिक सम्मान समारोहों, जैसे पद्म पुरस्कार वितरण कार्यक्रमों में भी वंदे मातरम बजाया

जाएगा, खासकर जब राष्ट्रपति कार्यक्रम में मौजूद हों। हालांकि, सरकार ने यह साफकिया है कि ये नियम सिनेमाघरों पर लागू नहीं होंगे। यानी फिल्म शुरू होने से पहले वंदे मातरम बजाना या दर्शकों का खड़ा होना अनिवार्य नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इन निर्देशों का उद्देश्य किसी पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि वंदे मातरम के सम्मान को लेकर एक स्पष्ट और समान व्यवस्था तय करना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष वंदे मातरम को लेकर विवाद सामने आया था, जब कुछ संगठनों ने इसके पाठ पर आपत्ति जताई थी और संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस मुद्दे पर हंगामा हुआ था। ऐसे में नए दिशा-निर्देशों को सरकार की ओर से वंदे मातरम की परंपरा और राष्ट्रीय भावना को मजबूती देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय गीत के दौरान उचित मर्यादा और शिष्टाचार का पालन करना आवश्यक है। हालांकि, यदि राष्ट्रगान किसी न्यूज फिल्म या डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा है, तो दर्शकों को खड़े होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इससे प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त, बैंड द्वारा राष्ट्रगान बजाने से पहले 7 कदमों की अवधि तक ढोल बजाए जाएंगे, ताकि श्रोताओं को पता चल सके कि राष्ट्रगान शुरू होने वाला है।

जानिए ऐतिहासिक संदर्भ और राजनीतिक पृष्ठभूमि

बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1870 के दशक में रचित इस गीत को 1950 में राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया था। सरकार का यह नया कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में दी गई उस दलील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर गीत के महत्वपूर्ण छंदों को हटाकर गीत का विभाजन करने का आरोप लगाया था। पीएम मोदी ने तर्क दिया था कि मूल गीत के साथ की गई इस छेड़छाड़ ने रचना के मूल उद्देश्य को कमजोर किया। अब गृह मंत्रालय का यह आदेश राष्ट्रीय गीत को उसके पूर्ण स्वरूप में लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

ग्राम जांता में शाला उन्नयन कार्यक्रम में शामिल होकर की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एक दिवसीय प्रवास पर बेमेतरा पहुंचे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बीते बुधवार को अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान ग्राम जांता स्थित हाई स्कूल में आयोजित शाला उन्नयन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष छ.ग. शासन जितेंद्र साहू, पूजा देवदत्त मिश्रा सरपंच ग्राम जाता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री यादव का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया तथा विद्यालय परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन भी किया गया।

स्मार्ट क्लास और आधुनिक सुविधाओं पर जोर

अपने उद्बोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घोषणा की कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को समझने में आसानी होगी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरी स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

150 स्कूलों को आदर्श सीबीएसई स्कूल बनाने की पहल

श्री यादव ने बताया कि प्रदेश के 150 विद्यालयों को आदर्श सीबीएसई स्कूल के रूप में विकसित करने की मांग शासन स्तर पर की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का स्तर मजबूत होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को भविष्य में व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

नया पाठ्यक्रम लागू करने की घोषणा

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में नया पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक विशेषताओं को समाहित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को अपने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों, परंपराओं और विरासत की समग्र जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित होनी चाहिए।

आधारभूत संरचना के विकास की घोषणाएं

कार्यक्रम के दौरान मंत्री यादव ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के उन्नयन की घोषणा करते हुए विद्यालय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण, चबूतरा निर्माण, खेल मैदान का विकास, शौचालय निर्माण तथा साइकिल स्टैंड की व्यवस्था करने की बात कही।

उन्होंने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए छात्रावास परिसर से गुजर रहे हाई टेंशन तार को हटाने की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त अधूरे आहता निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बेहतर भौतिक संसाधन उपलब्ध होने से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी तथा सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता एवं अधोसंरचना विकास जैसे विभिन्न पहलुओं पर समन्वित कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। ग्राम जांता में आयोजित यह शाला उन्नयन कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नवागढ़ पीएम श्री उत्कृष्ट आत्मानंद हिन्दी मिडियम के कक्षा 12वीं के छात्राओं का विदाई समारोह...

बेमेतरा नवागढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ - पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शास. उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय- नवागढ़ में प्राचार्य अलकनंदा मेश्राम के मार्गदर्शन में कक्षा 12वीं के छात्राओं को विदाई दिया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र पर फूल माल्यार्पण और गुलाल लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत ही तत् पश्चात् स्कुली छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत सहित अलग अलग वाद्य वादन ,कविता पाठन,तथा सामुहिक नृत्य कर भविष्य में एक यादगार पल के रूप में संजोए रखने व आगामी भविष्य में किसी भी फिल्ड में अपनी एक पहचान बनाए रखने व उज्जवल भविष्य की ओर कदम आगे बढ़ाने की भी मार्ग दर्शन किया। बच्चे अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि को कभी नही भूल सकते। विदाई समारोह कार्यक्रम के दौरान कक्षा- 9वीं, 10वीं और 11वीं के छात्राओं द्वारा अपने सीनियर के लिये गीत,कविता,और नृत्य भी प्रस्तुत किये गये और सीनियर छात्राओं के यादगार के लिए 12वीं सीनियर छात्राओ के लिए भी गीत संगीत प्रतिस्पर्धा रखा गया जिसमे बच्चे काफी उत्साहित दिखाई दिए। विदाई समारोह में सुशीला सोनी,मेनका सोनी,वर्षा वर्मा,प्रतिमा बनाफर मैम ,मोरध्वज गायकवाड, लोकेश्वर साहू, दिग्विजय वारे सर उपस्थित रहे। सभी शिक्षको ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये मेहनत और लगन से अच्छे अंक से पास होने की शुभकामना दिये।

पॉलीटेक्निक और आईटीआई में लगा रक्त दान शिविर, 11 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

बीजापुर/मूक पत्रिका

शासकीय पॉलीटेक्निक और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बीजापुर में भारतीय यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के बैनर तले रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में यूथ रेडक्रॉस से जुड़े छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और कुल 11 यूनिट रक्तदान किया। यह शिविर जिला रेडक्रॉस शाखा और जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित हुआ। इसका मकसद जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और युवाओं में सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में जिला संगठक नर्वेद सिंह, डॉ. सीके राहंगडाले, शासकीय पॉलीटेक्निक के प्राचार्य, आईटीआई प्राचार्य नायक, रेडक्रॉस शाखा के प्रभारी चितरंजन लाल समेत संस्थान के कर्मचारी मौजूद रहे। अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनके इस सराहनीय प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

28 फ़रवरी तक समितियों से धान उठाव करें सभी राइस मिलर - कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

कलेक्टर ने मिलरों का बिना रुके धान से भरे वाहन को समिति से सीधा राइस मिल ले जाने के निर्देश दिए

भारतीय खाद्य निगम में नियमित चावल जमा करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

खरीफ विवरण वर्ष 2025 -26 के अंतर्गत समितियों से धान का उठाव व मिलिंग कार्य पारदर्शिता के साथ सुव्यवस्थित रूप से एवं शासन के निर्देशों के अनुरूप संपादित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के राईस मिलरों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी राइस मिलर्स को 28 फ़रवरी तक संबंधित उपार्जन केंद्र से धान उठाव करने के स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे, मार्कफेड अधिकारी शीतल भोई सहित राइस मिलर्स उपस्थित रहे।बैठक में कलेक्टर ने मिलरों को बिना रुके धान से भरे वाहन को समिति से सीधा राइस मिल ले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। धान मिलिंग कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता स्वीकार्य नहीं होगी। धान को किसी भी स्थिति में मिल परिसर पर संग्रहीत करके रखा जाए। सभी राइस मिलरों को तत्काल प्रभाव से मिलिंग कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

ए.पी.जे. स्कूल केशरपाल में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बस्तर /मूक पत्रिका

डॉ. ए.पी.जे. स्कूल, केशरपाल में 11 फरवरी 2026 को वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप रहीं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, जनपद उपाध्यक्ष तरुण पांडे, जनपद सदस्य श्रीमती विनिता ठाकुर, ग्राम सरपंच श्रीमती जमुना कश्यप, ग्राम माता पुजारी भगचंद सहित पंचगण एवं अन्य गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

पाँचों शाखाओं के विद्यार्थियों ने किया संयुक्त प्रदर्शन

इस वार्षिक उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि डॉ. ए.पी.जे. स्कूल की सभी पाँच शाखाओं–बकावंड, करपावांड, जैबेल, नानगुर एवं केशरपाल–के विद्यार्थियों ने एक साथ मंच साझा कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने नृत्य, गीत, नाटक एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया, जिन्होंने तालियों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधन का प्रेरणादायी संदेश

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती रीदा मीर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

अभिभावकों की रही बड़ी उपस्थिति

समारोह में बड़ी संख्या में पालकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह, अनुशासन और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

जनवरी में भी पूरा अनाज नहीं मिलने का आरोप, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा तक पहुंची शिकायत

पुसगुड़ा में तीन महीने से राशन नहीं, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । उसूर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पुसगुड़ी में राशन वितरण को लेकर बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 का राशन अब तक नहीं मिला। इन महीनों में न तो राशन बांटा गया और न ही किसी तरह की एंट्री की गई, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।ग्रामीणों के मुताबिक लगातार तीन महीने राशन नहीं मिलने से गरीब और मजदूर परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई घरों में खाने की चिंता तक खड़ी हो गई है। स्थिति तब और बिगड़ गई जब जनवरी 2026 में भी पूरा राशन नहीं मिला। आरोप है कि आधा राशन दिया गया और उसमें भी कटौती की गई। मामले को लेकर ग्रामीणों ने भाजपा नेता और पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के नाम लिखित शिकायत दी। उनका कहना है कि खाद विभाग के अधिकारियों को पहले ही जानकारी दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।राशन संकट को देखते हुए भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी के.जी. सुधाकर ने ग्रामीणों का आवेदन लिया और फोन पर पूर्व मंत्री गागड़ा को पूरी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि गागड़ा ने संबंधित अधिकारियों से बात कर जल्द समस्या दूर करने का आश्वासन दिया है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर लंबित राशन का जल्द वितरण कराया जाए और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो, ताकि आगे ऐसी परेशानी न हो। गौरतलब है कि जिले में पिछले कुछ समय से गरीबों को मिलने वाले पौष्टिक चने की कमी की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। जिसके चलते भी लोगो मे खासी नाराजगी देखी जा रही हैं।

समय-सीमा बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्य पूर्ति में तेजी लाने के निर्देश

लंबित प्रकरणों के निराकरण में विभागीय अधिकारी दिखाएं संवेदनशीलता : कलेक्टर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शासन द्वारा संचालित विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विभागवार आकलन किया गया। कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, ऐसे में सभी अधिकारी वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागों में लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही का परिचय दिया जाए। अनावश्यक विलंब को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी–कलेक्टर ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के शीघ्र पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के लिए अपने स्वयं के पक्के घर का सपना साकार करने का माध्यम है। इस योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता की जांच एवं हितग्राहियों को समय पर किस्त भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मनरेगा कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश–ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, उन्हें वित्तीय वर्ष समाप्ति से पूर्व पूर्ण करना अनिवार्य है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि स्वीकृत कार्य समय पर पूर्ण नहीं हुए तो जिम्मेदार अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मनरेगा के माध्यम से अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा परिसंपत्तियों के निर्माण में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखी जाए।

अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों में बरतें संवेदनशीलता–बैठक में कलेक्टर ने शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के सेवा काल में आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों के लिए अनुकंपा नियुक्ति एक महत्वपूर्ण सहारा होती है, इसलिए इन प्रकरणों का शीघ्र एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। इसके साथ ही पेंशन प्रकरणों के निराकरण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को समय पर लाभ प्राप्त हो सके।

वित्तीय अनुशासन एवं लक्ष्य पूर्ति पर जोर–कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने सभी विभागों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने, बजट का समुचित उपयोग करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड निरीक्षण एवं जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य संस्कृति अपनाकर ही जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक के अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि लंबित प्रकरणों के निराकरण, योजनाओं की प्रगति एवं जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी समन्वय एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समयसीमा में पूर्ति सुनिश्चित करें।

आरंग में एक के बाद एक विकास की सौगात, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक स्वीकृति

1.53 करोड़ से अधिक की राशि से बनेंगे नवीन स्कूल भवन, बदलेगा शैक्षणिक परिदृश्य

आरंग/रायपुर /मूक पत्रिका

आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आरंग विधानसभा क्षेत्र की पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शालाओं के लिए नवीन स्कूल भवन निर्माण हेतु ?1 करोड़ 53 लाख 92 हजार से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह महत्वपूर्ण स्वीकृति आरंग विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी (कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग) के सतत प्रयासों एवं शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध दृष्टिकोण का परिणाम है। मंत्री जी के निरंतर प्रयासों से आरंग विधानसभा में शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इस स्वीकृति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्कूल शिक्षा मंत्री

गजेंद्र यादव एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के हर क्षेत्र में मजबूत शैक्षणिक ढांचा तैयार कर रही है। शिक्षा क्षेत्र को मिली नई दिशा स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत आरंग विधानसभा क्षेत्र की दर्जनों शासकीय पूर्व माध्यमिक शालाओं के लिए नवीन भवन निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय हेतु ?11.84 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त शासकीय प्राथमिक शाला, इंदिरा कॉलोनी, मंदिर हसौद के लिए ?11.48 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। नवीन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातावरण प्राप्त होगा। इससे न केवल विद्यालयीन व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं शिक्षा की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

जिन विद्यालयों को मिली स्वीकृति

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लोधीपारा (आरंग)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सदर रोड (आरंग)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पचेड़ा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चकवे

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिरबिरा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गुल्लू

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कुहेरा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बकतरा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खोरसी

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोरासी

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरुंधति देवी (आरंग)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भलेरा

शासकीय प्राथमिक शाला इंदिरा कॉलोनी, मंदिर हसौद

शिक्षा से मजबूत होगा आरंग÷ – मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा को मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मजबूत शैक्षणिक आधारभूत संरचना ही भविष्य की पीढ़ी को सशक्त बनाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवीन विद्यालय भवनों के निर्माण से आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा का स्तर और ऊंचा होगा तथा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

ग्राम पंचायत पाऊरबेल के आश्रित पारा दामागुड़ा में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

बकावंड/मूक पत्रिका

बकावंड ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मटनार के सरपंच जयराम कश्यप ने आज ग्राम पंचायत पाऊरबेल के आश्रित पारा दामागुड़ा में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने भाजपा की विचारधारा, रीति-नीति एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया। जॉइनिंग कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जयराम कश्यप का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा पार्टी में शामिल होने पर उन्हें शुभकामनाएँ दी गई।

इस अवसर पर बकावंड मंडल अध्यक्ष पीतांबर कश्यप, पूर्व जनपद अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप, जनपद अध्यक्षा सोनबारी भद्रे, महामंत्री अनिल बिसाई, रणवीर सिंह बैस, भगत सोनी, जगन्नाथ तामेन्द बिसाई सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जयराम कश्यप के भाजपा में शामिल होने से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी तथा ग्राम मटनार में पार्टी की स्थिति और सुदृढ़ होगी। वहीं जयराम कश्यप ने भरोसा दिलाया कि वे भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। जयराम कश्यप का भाजपा में शामिल होना संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में पार्टी की पकड़ और मजबूत होने की उम्मीद है।

सोमनापुर नया में 'परीक्षा पे चर्चा 2026' का सफल आयोजन

पंडरिया (कबीरधाम)/मूक पत्रिका

शासकीय हाई स्कूल सोमनापुर नया, विकासखंड पंडरिया द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल ÷परीक्षा पे चर्चा 2026÷ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन दिखाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं को तनावमुक्त रहकर तैयारी करने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों को बताया गया कि परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक उत्सव के रूप में लेना चाहिए। साथ ही समय प्रबंधन, याद रखने की तकनीक, करियर चयन, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सकारात्मक सोच के महत्व पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में यह भी संदेश दिया गया कि यदि अपेक्षा के अनुरूप अंक प्राप्त न हों तो निराश होने के बजाय शिक्षक और अभिभावकों से संवाद कर आत्मविश्वास बनाए रखें। परीक्षा के तनाव को कम कर पढ़ाई को सरल और रोचक बनाने के लिए विभिन्न सुझाव साझा किए गए।इस अवसर पर संस्था प्रमुख सहारुद्दीन खान, महेंद्र कुमार कंठले, पवन चांदसे, महेश जायसवाल, कार्तिक राम खूंटे, भगत राम बांधकर एवं श्रीमती मनीषा मार्को सहित विद्यालय परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से विद्यार्थियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ।

बारात में आए पूर्व अपराधी रिकॉर्ड वाले आरोपियों द्वारा हत्या करने की नियत से धारदार वस्तु से प्राण घातक हमला कर चोंट पहुंचने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

*प्रार्थी दिनेश निषाद उम्र 27 वर्ष निवासी करमू थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 10 फरवरी 2026 को इसके बडे पापा की लडकी की शादी में इनके घर पर बारात आये थे कि अंश पासवान एवं हरीश बाग निवासी मडौदा थाना नेवाई जिला दुर्ग के द्वारा खाना-खाने के दौरान बार-बार पापड़ एवं बड़ा मांगने की बात को लेकर इन दोनो के द्वारा एक राय होकर वाद-विवाद करते हुए हत्या करने की नियत से भोला राम निषाद और गजानंद निषाद को अश्लील गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर अपने-अपने पास रखे धारदार वस्तु से सिर, कान व जांघ एवं अन्य जगहों पर हमला कर चोंट पहुंचाया है भोला निषाद उम्र 24 साल, निवासी ग्राम करमु थाना

थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा एवं गजानंद निषाद उम्र 25 साल, साकिन बाजार चारभाठा, थाना सहसपुर लोहारा, जिला कबीरधाम का सीएचसी खम्हरिया उपचार बाद, गजानंद निषाद को हायर सेंटर रिफर किया गया। कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 109(1),3(5) क्व्हस् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस उप महानिरीक्षक (ष्ठढ्ढत्) रामकृष्ण साहू (ढ्ढक्क) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु, अंश पासवान और हरीश बाघ निवासी मडौदा थाना नेवाई जिला दुर्ग को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया। पुछताछ करने पर पताचला कि 10 फरवरी 2026 को आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु अपने दोनों दोस्त अंश पासवान तथा हरिश बाघ को लेकर शंकर पारा स्टेशन मरोदा से ग्राम करमू सभी बारातियो के साथ बस में आये थे। खाना-खाने के दौरान बार-बार पापड एवं बडा मांगने की बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। उसी बात पर गुस्सा होकर आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु, अंश पासवान तथा हरिश बाघ तीनों ने एक राय होकर दो खाना परोसने वाले को अपने पास रखे धारदार वस्तु से जान से मारने के नियत से प्राणघातक वार करना तथा तीनो दोस्त अंधेरे में भाग जाना। विवेचना के दौरान आरोपियों का पूर्व अपराधिक रिकार्ड भी होना पाया गया है। आरोपी 01. अंश पासवान उर्फ धन पिता मनीष पासवान उम्र 18 वर्ष, निवासी स्टेशन मरोदा शंकर पारा वार्ड नं. 27 थाना नेवई जिला दुर्ग, 02. हरीश बाघ पिता मोती बाघ उम्र 23 साल, निवासी स्टेशन मरोदा शंकर पारा वार्ड नं. 21 थाना नेवई जिला दुर्ग, 03. लुपसिंह निषाद उर्फ नानु पिता रामाधार निषाद उम्र 22 साल, निवासी गुवारा, थाना थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा हाल पता स्टेशन मरोदा थाना नेवई जिला दुर्ग को आज 11 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, प्रधान आरक्षक अजय कुमार लहरे, विनोद पात्रे, आरक्षक सौरभ सिंह, बलदेव निषाद, मुकेश चंद्रवंशी, अशरफी खान, दिनेश निषाद, हीराचंद गेन्ड्रे, लोकेश साहू सहित थाना खम्हरिया के समस्त पुलिस स्टाफका महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सब्सिडी वाले सोलर पैनल उड़ीसा भेजे गए, ज़रूरतमंद किसान वंचित – दस्तावेज़, नियम और शासन के निर्देश सब दरकिनार

रायपुर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग संभागीय ब्यूरो चीफ बस्तर छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा किसानों को दिए गए सोलर पैनल योजना में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, जिन किसानों को शासन द्वारा सब्सिडी पर सोलर पैनल प्रदान किए गए, उनमें से कई किसानों ने इन पैनलों को छत्तीसगढ़ से उड़ीसा क्षेत्र में भेज दिया, जबकि राज्य में ही अनेक ऐसे किसान हैं जिन्हें सोलर पैनल की वास्तविक आवश्यकता थी, लेकिन उन्हें यह सुविधा मिली ही नहीं।यह पूरा मामला न केवल योजना के उद्देश्य पर सवाल खड़े करता है, बल्कि विभागीय अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारी को भी कठघरे में खड़ा करता है। सोलर पैनल देने से पहले लिए गए थे लिखित दस्तावेज़सरकारी प्रक्रिया के अनुसार, किसानों को सोलर पैनल देने से पहलेःआवेदन पत्रशपथ-पत्रनियम एवं शर्तों की लिखित सहमतिजैसे दस्तावेज़ लिए जाते हैं, जिनमें स्पष्ट रूप से उल्लेख होता है कि सोलर पैनल का उपयोग उसी किसान, उसी स्थान और उसी राज्य में किया जाएगा।इसके बावजूद, इन लिखित शर्तों को पूरी

तरह दरकिनार कर दिया गया, और किसी भी स्तर पर प्रभावी निगरानी नहीं की गई। अधिकारियों का चौंकाने वाला बयानजब इस गंभीर विषय पर विभागीय अधिकारियों से सवाल किया गया, तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला रहा। अधिकारियों ने कहाः÷सोलर पैनल शासन ने किसानों को दिया है, अब किसान अपनी मर्जी से कहीं भी भेजें, इसमें विभाग कुछ नहीं कर सकता।÷यह बयान सीधे-सीधेःशासन के निर्देशों की अवहेलनाप्रशासनिक जिम्मेदारी से पलायनऔर नियमों को कमजोर करनेका संकेत देता है।शासन-प्रशासन के निर्देशों की अनदेखीप्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (क्क्रू्यस्रू) सहित राज्य की सोलर योजनाएँ केंद्र और राज्य सरकार के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के तहत संचालित होती हैं। इन योजनाओं मेंःसब्सिडी का उद्देश्य स्थानीय कृषि को लाभ देना हैअंतरराज्यीय स्थानांतरण का कोई प्रावधान नहीं हैइसके बावजूद अधिकारियों द्वारा यह कहना कि ÷हम कुछ नहीं कर सकते÷ – कर्तव्यहीनता और प्रशासनिक लापरवाही की श्रेणी में आता है।ज़रूरतमंद किसान आज भी इंतज़ार मेंइस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है किःकई ऐसे किसान हैं जिन्हें सिंचाई के लिए सोलर पैनल की सख्त आवश्यकता हैवे पात्र होने के बावजूद इस योजना से वंचित रह गएजबकि जिन किसानों को सोलर पैनल मिले, उन्होंने उनका उपयोग करने के बजाय दूसरे राज्य भेज दियायह स्थिति बताती है किः लाभार्थी चयन प्रक्रिया में गंभीर खामियाँ हैंयोजना का मूल उद्देश्य विफल हो रहा हैऔर सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा हैजिम्मेदारी किसकी?विशेषज्ञों के अनुसार, इस मामले में जिम्मेदारी केवल किसानों की नहीं है।सोलर पैनल भेजने वाले किसान – नियम उल्लंघन के दोषीदस्तावेज़ लेने के बाद भी निगरानी न करने वाले अधिकारी – सबसे बड़े जिम्मेदारशासन के निर्देशों को नजरअंदाज करने वाला विभागीय तंत्र – प्रशासनिक विफलता का दोषीयह मामला सरकारी सब्सिडी के दुरुपयोग, कर्तव्यहीनता और संभावित भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।ऑडिट आपत्ति और जांच की आशंकायदि इस तरह की अनियमितताएँ सामने आती रहीं, तोःकेंद्र सरकार द्वारा ऑडिट आपत्तिशासन को आर्थिक नुकसान-और संबंधित अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाईकी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।उठ रही है जांच की मांगइस पूरे मामले को लेकर अब यह मांग तेज़ हो रही है किःउड़ीसा भेजे गए सोलर पैनलों की सूची तैयार की जाएपात्र लेकिन वंचित किसानों की पुनः पहचान की जाएऔर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो अब सवाल यह है कि शासन इस गंभीर मामले पर कब संज्ञान लेगा, और क्या सोलर जैसी महत्वाकांक्षी योजना का लाभ वास्तव में ज़रूरतमंद किसानों तक पहुँच पाएगा या नहीं।

जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में लगभग सभी डॉक्टरों की है पोस्टिंग

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

रजत जयंती वर्ष में जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में सभी प्रकार के डॉक्टर और विशेषज्ञ की सुविधा उपलब्ध हो गई है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल पर अस्पताल में सेटअप अनुसार तकनीकी सहायक, चिकित्सा अधिकारी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना हुई है और वार्ड, लैब आदि भी प्रारम्भ किया गया है। जिला अस्पताल सारंगढ़ बिलाईगढ़ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला, डॉ. दीपक जायसवाल सिविल सर्जन, डॉ. भूषण खुंटे-आवासीय चिकित्सा अधिकारी, डॉ. बी.पी. साय-वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सुरेश खुंटे-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रमेश साहू-पैथोलॉजिस्ट (पी.जी.एम.ओ.), डॉ. राकेश साहू-सर्जरी विशेषज्ञ, डॉ. अनुप अग्रवाल-कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ, डॉ. रूपेश पटेल अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. भारती पटेल-शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. अमित पटेल-शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. सुनिल पटेल-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. श्रिया अग्रवाल-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रानू मनहर-स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. स्वाती शर्मा-नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारी में डॉ. नरेंद्र रात्रे- डॉ. दिव्या जोशी, डॉ. रामजी शर्मा, डॉ. लोकनाथ डहरिया, डॉ. रितेश सेन, डॉ. नकुल नौरंगे, डॉ. गरिमा बंजारे, डॉ. पुष्पाली मारकण्डे, डॉ. राहुल साय, डॉ. रितेश कुमार, डॉ. राहुल भारद्वाज, डॉ. हितेश पैकरा, डॉ. नितेश पटेल, डॉ. नीलिमा पटेल और डॉ. इन्दु सोनवानी-दंत चिकित्सक कार्यरत हैं।

फाइलेरिया से बचाव का मंत्र - मच्छरों से दूरी और साल में एक बार दवा जरूरी

डार्क कपड़ों पर ज्यादा बैठते हैं मच्छर, फाइलेरिया से बचाव के लिए साल में एक बार दवा जरूरी: डॉ. एफ आर. निराला

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरू॥ह्र) डॉ. एफआर. निराला ने लोगों से सामूहिक दवा सेवन अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया, जिसे आम बोलचाल में हाथीपांव कहा जाता है, मच्छरों के काटने से फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारी है, लेकिन समय पर दवा लेने और बचाव के उपाय अपनाने से इसे जड़ से खत्म किया जा सकता है।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज ने की अपील-जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अभियान है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें, दवा का अनिवार्य रूप से सेवन करें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके।

डॉ. निराला ने बताया कि मच्छर गहरे (डार्क) रंगों पर अधिक बैठते हैं, इसलिए खासकर शाम और रात के समय हल्के रंग के कपड़े पहनना चाहिए। साथ ही मच्छरदानी का उपयोग और आसपास साफ-सफाई रखना फाइलेरिया रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में 10, 11 और 12 तारीख को सामूहिक दवा वितरण अभियान (एमडीए) चलाया जाएगा।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर 2 वर्ष से अधिक आयु के सभी स्वस्थ लोगों को DEC और Albendazole (·¤éÀ SíæÙô´ ÂÚU Ivermectin सहित) की दवा खिलाएगी। दवा हमेशा भोजन के बाद और स्वास्थ्य कार्यकर्ता के सामने ही लेनी चाहिए। ष्टरू॥ह्र ने स्पष्ट किया कि गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है, हालांकि जिन लोगों के शरीर में पहले से माइक्रोफाइलेरिया होते हैं, उन्हें हल्का बुखार, चक्कर या सिरदर्द जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं, जो दवा के असर का संकेत हैं। अधिक परेशानी होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

क्या है फाइलेरिया?

यह बीमारी स्यूलेक्स प्रजाति के संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। इसके कीटाणु कई वर्षों तक शरीर में बिना लक्षण के रह सकते हैं और बाद में हाथ, पैर या अंडकोष में असामान्य सूजन का कारण बनते हैं। यह न तो आनुवंशिक है और न ही छूने या साथ खाने से फैलती है।

समुदाय की भागीदारी जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जब तक 80 प्रतिशत से अधिक आबादी दवा का सेवन नहीं करती, संक्रमण की श्रृंखला नहीं टूटेगी। भारत सरकार ने फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए जनसहयोग बेहद जरूरी है। जिले में जागरूकता बढ़ाने के लिए दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर और पत्राचार के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। डॉ. निराला ने आम जनता से अपील की कि स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी जा रही फाइलेरिया रोधी गोली अवश्य लें और इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाएं। प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे

कलेक्टर कार्यालय में जनदर्शन अब प्रत्येक सोमवार को

कांकेर । कलेक्टर कार्यालय में अब प्रत्येक सोमवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 02 बजे तक जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले की आम जनता कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्या, शिकायत व मांग से संबंधी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे पहले यह जनदर्शन प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जाती थी, जिसमें संशोधन किया गया है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 16 एवं 17 फरवरी को लाइवलीहुड कॉलेज जगदलपुर में

कांकेर :।कौशल विकास तकनीकी एवं रोजगार विभाग द्वारा 16 एवं 17 फरवरी को प्रातः 11 बजे से सायं 04 बजे तक शासकीय लाईवलीहुड कॉलेज आड़ावाल जगदलपुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी के लगभग 1502 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी बी. आर. ठाकुर ने बताया कि संभाग स्तरीय रोजगार मेला में इच्छुक आवेदकां का साक्षात्कार 16 एवं 17 फरवरी सोमवार व मंगलवार निर्धारित है। जो आवेदक रोजगार मेला हेतु पूर्व में पंजीयन नहीं किया है वे पोर्टल ero-jgar.cg.gov.in पर अपना ऑनलाइन आवेदन कर रिक्त पदां की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आवेदक अपने समस्त दस्तावेज जीवित पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड, अनुभव प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट साईज फोटो, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की मूल एवं छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि पर रोजगार मेला स्थल में अपनी उपस्थिति दे सकते हैं। इस संबंध मे विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक अपने जिला रोजगार कार्यालय, नजदीकी आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं लाईवलीहुड कॉलेज से प्राप्त किया जा सकता है।

संपादकीय

मुफ्त उपहारों की राजनीति पर रोक की सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद

देश में चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए जिस तरह मुफ्त तोहफों या उपहारों की राजनीति की जा रही है, उसने एक तरह से नतीजों की शुचिता को कसौटी पर रख दिया है। भारतीय राजनीति में पिछले कई वर्षों से यह प्रवृत्ति जटिल होती गई है। हालांकि इस मसले पर सवाल भी उठे हैं और मुफ्त तोहफों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने को लोकतंत्र के लिए एक घातक चलन बताया गया है। विडंबना यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल इस प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे भी इसी तरीके को एक औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं। खासतौर पर जो दल या गठबंधन सत्ता में होते हैं, वे वादों या घोषणाओं के साथ-साथ चुनावों के ठीक पहले कोई योजना या कार्यक्रम लागू करने के जरिए भी मतदाताओं को लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुफ्त उपहारों को भारतीय राजनीति में एक घातक प्रवृत्ति बताया है, लेकिन इस पर रोक को लेकर अब तक कोई ठोस नियमन सामने नहीं आ सका है। यही वजह है कि आज राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की होड़ देखी जाती है कि वोट हासिल करने के लिए मतदाताओं को कौन कितना ज्यादा लाभ पहुंचाने की घोषणा करता है। नतीजतन, स्वच्छ चुनाव और विवादरहित नतीजे आज एक सदिच्छा की तरह लगने लगे हैं। राजनीतिक दलों से यह उम्मीद करना मुश्किल हो गया लगता है कि इस दिशा में वे अपनी ओर से कोई ऐसी पहल करेंगे, जो चुनावी जीत के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के चलन पर रोक लगाएं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मसले पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है, तो इससे एक बार फिर मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि करीब चार साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें चुनाव से पहले 'अतार्किक मुफ्त उपहार की घोषणा' या इसे वितरित करने वाली राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त या उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। उस समय पीठ ने इसे गंभीर मुद्दा करार दिया था और कहा था कि कभी-कभी मुफ्त उपहार योजना का बजट नियमित बजट से अधिक हो जाता है। सवाल है कि अगर कोई मतदाता मुफ्त की सौगात दिए जाने के असर में किसी उम्मीदवार को वोट देता है, तो क्या यह एक तरह की सौदेबाजी नहीं कही जाएगी? अगर कोई सत्ताधारी पार्टी चुनावों के ठीक पहले किसी योजना या कार्यक्रम के जरिए मतदाताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाती है, तो उसकी जीत को कितना निष्पक्ष माना जाएगा? दिनोंदिन बढ़ती मुफ्त उपहारों की राजनीति के बीच होने वाले चुनाव को किस हद तक स्वच्छ और स्वतंत्र कहा जाएगा?

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा। दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है! जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की गारंटी निर्भर है।

(कमलेश पांडे)

ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा।

इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है!

इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं।

जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50त्न तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और अमेरिका फर्स्ट नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया।

और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को खास बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की चुप्पी कूटनीति और एससीओ (एससीओ) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई।

कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25 प्रतिशत दंड समाप्त हुआ।

जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है।

इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे।

इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान एससीओ जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50त्न टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति बाधा बनी हुई है।

इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत-अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद-प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा। टैरिफ तनाव के बावजूद रक्षा सहयोग बढ़ रहा है।

जहां तक व्यापार डील की प्रगति की बात है तो दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें हाल ही में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया। जबकि, दूध, कृषि और डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों पर बातचीत जारी है, लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ और जीएसपी लाभ बहाली चुनौतियां बनी हुई हैं। पहला चरण सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पूरा करने की कोशिश थी।

इन बातों का द्विपक्षीय प्रभाव यह पड़ेगा कि ये डीलें आर्थिक निर्यात बढ़ावा, रोजगार सृजन और रक्षा तकनीक हस्तांतरण लाएंगी। भू-राजनीतिक

डॉ दर्शनी प्रिय की पुस्तक को उपसभापति हरिवंश ने किया लोकार्पित

'प्रधानमंत्री मोदी के अनमोल रत्न' पुस्तक का हुआ भव्य लोकार्पण

(आशीष नेमा)

नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के डिप्टी चेयरमैन हॉल में एक महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 'प्रधानमंत्री मोदी के अनमोल रत्न' पुस्तक का अनावरण किया गया। देश की जानी-मानी लेखिका और पत्रकार डॉ. दर्शनी प्रिय द्वारा लिखी गई यह पुस्तक 35 असाधारण पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं के जीवन की गहराई से पड़ताल करती है, जिनकी जीवंत कहानियाँ 'नए भारत' की संवेदनात्मक भावना को दर्शाती हैं। अगली पीढ़ी को एक विरासत के रूप में थाती प्रदान करती इस पुस्तक के सामाजिक निहितार्थ है। डॉ दर्शनी की एक लेखिका के तौर पर इसमें खास मेहनत दिखती है।उनके प्रयास से असली जननायकों को हम जान रहें तो वे अंधेरी गलियों में गुमनाम हो जाते। इस समारोह में राज्यसभा के माननीय उपसभापति हरिवंश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहबाज हुसैन सहित राज्यसभा की सांसद सुशीला गुप्त भी उपस्थिति रही। अतिथियों ने पद्म सम्मान प्रणाली में हुए परिवर्तनकारी बदलाव पर प्रकाश डाला, जो विशेषाधिकार के बजाय योग्यता और जमीनी स्तर पर प्रभाव को प्राथमिकता देने वाले 'पीपल पद्म' की ओर बढ़ रहे है।' कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पद्म श्री पुरस्कार विजेता विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए, जो भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं :पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव भी कार्यक्रम में मौजूद रही। कला के क्षेत्र में एक जानी-मानी हस्ती, जो भारतीय लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रति अपने समर्पण के लिए जानी जाती हैं।पद्म श्री पुरस्कारों का महत्व
हाल के दिनों में सत्ता की सार्थक पैरोकारी से बढ़ा है।पद्म श्री भारत गणराज्य का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। 1954 में अपनी स्थापना के बाद से, यह कला, समाज सेवा, सार्वजनिक मामलों, विज्ञान और साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में 'विशिष्ट सेवा' का प्रतीक बन गया है।
वर्तमान प्रशासन के तहत, चयन प्रक्रिया में एक बड़ा श्बदलाव आया है : अब जमीनी स्तर पर 'अनाम नायकों' पर जोर दिया जाता है – देश के दूरदराज के कोनों में काम करने वाले व्यक्ति जिनके योगदान पर ऐतिहासिक रूप से ध्यान नहीं दिया गया है।
जन-भागीदारी : नामांकन प्रक्रिया अब जनता के लिए खुली है, जिससे यह वास्तव में एक लोकतांत्रिक 'जन आंदोलन' बन गया है।
समग्र प्रभाव : पेशेवर उत्कृष्टता से परे, समिति एक 'सार्वजनिक सेवा के तत्व' की तलाश करती है जिसने लोगों के जीवन को छुआ हो और सामुदायिक लचीलापन बनाया हो। किताब के बारे में 'प्रधान मंत्री मोदी के अनमोल रत्न' उन लोगों को एक जीवनी के रूप में श्रद्धांजलि है जिन्हें ये प्रतिष्ठित सम्मान मिले हैं। डॉ. दर्शनी प्रिय का काम देश के इन 'रत्नों' के साहस, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा को दिखाता है, जो पाठकों को भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने वाली विविध प्रतिभाओं की झलक देता है।ये पुरस्कार विजेता सिर्फ़ पदक पाने वाले नहीं हैं; वे भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक संपदा के जीते-जागते प्रतीक हैं। यह किताब उनकी प्रेरणादायक यात्राओं को हर घर तक पहुँचाने का एक प्रयास है।

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

- डॉ. महेन्द्र सिंह

पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रहे है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संसद में पेश किया गया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया। ये हैं : (?) अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; (द्वद्व) जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं (द्वद्वद्व) देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना। इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं। ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उनकी क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास' का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वतः विहित रहे हैं।

मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार 'रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म' रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। 'विकसित भारत' के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तिकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुतः, मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी।

वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाघनीय रहा है। वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022-24 में 6.5 प्रतिशत 2023-24 में 5.5 प्रतिशत; 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026-27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं।

मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025-26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी।

इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैं: टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। यह तथ्य यह भी दर्शाते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।

जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030-31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक 'फिस्कल स्पेस' मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पूँजीगत व्यय में मोदी सरकार द्वारा की गई वृद्धि से आय में तो कई गुना वृद्धि होती ही है, इससे रोजगार में भी उल्लेखनीय तौर पर वृद्धि होती है। इस बजट में छोटे, मझोले एवं धार्मिक नगरों के विकास के लिए भी प्रावधान किए गये हैं। नगरीय क्षेत्रों में जन सुविधाओं के बेहतर विकास से जनजीवन सुगम व स्वस्थ होगा। साथ ही, इसके विकास से कारोबार सुगम होगा, इसमें वृद्धि होगी। धार्मिक व साँस्कृतिक स्थलों के उन्नयन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से पर्यटकों की आवाजाही से आर्थिकी सशक्त होगी। इस बजट में हास्पिटेलिटी तथा हेल्थ टूरिज्म से भी लोगों की आजीविका के स्रोतों में वृद्धि, रेल एवं जलमार्गों के विकास एवं अपग्रेडेशन से लाजिस्टिक्स की लागतें घटेंगी। इससे व्यापार में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था की स्पर्धात्मकता में वृद्धि से निर्यात-प्रेरित निवेश होगा।

इस बात का उल्लेख करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस बजट में अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बड़ी धनराशि है। इससे विकास की गति को तेज करने तथा रोजगार को बढ़ाने में महती सहायता मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अन्तर्गत इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त जिन 7 रोजगारपरक क्षेत्रों को समावेशित किया गया है वे हैं: बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेन्टस, रेयर अर्थ, रसायन, पूँजीगत वस्तएँ और टेक्सटाइल्स। इनसे मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संवृद्धि बढ़ेगी। वस्तुतः, ये अर्थव्यवस्था के उदीयमान क्षेत्र हैं और इनमें उत्पादन, रोजगार व निर्यात की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसके अलावा बजट में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चैंपियन बनाने के निर्णय से भी इस क्षेत्र का विकास तेज होगा। आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एमएसएमई, ओडीओपी तथा खादी क्षेत्र की भूमिका महती स्थान रखती है। रक्षा व्यय में वृद्धि; विशेष तौर पर पूँजीगत व्यय में वृद्धि से भी रक्षा मामले में हमारी आत्म-निर्भरता बढ़ेगी और रक्षा सामग्री का निर्यात बढ़ेगा।

कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उनसे कृषि एवं गैर-कृषि क्रियाओं के पारस्परिक आर्थिक सम्बन्धों को ताकत मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। कृषि के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी। किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमी बनाने का परिणाम होगा कि स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्रोतों का विस्तार होगा। इससे गाँवों से नगरों को होने वाला पलायन भी रुकेगा। पशु चिकित्सा के लिए बजट में की गयी व्यवस्था से पशुधन में संवर्द्धन होगा। इससे गो आधारित प्राकृतिक कृषि के विस्तार में भी सहायता मिलेगी। इस बजट को यदि समग्र रूप से देखें तो यही निष्कर्ष निकलता है कि यह बजट भारत की घरेलू क्षमता का समुचित उपयोग करते हुए त्वरित आर्थिक विकास एवं लोककल्याण में वृद्धि को समर्पित है।

लेखक-भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी व उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री हैं।

लाईम स्टोन और डोलोमाइट के स्वीकृत खनिपट्टों की जांच नहीं, सारंगढ़ ब्लॉक के खदानों का जारी हुआ था ट्रिगर, एनजीटी में देनी है रिपोर्ट

लीज एरिया का सीमांकन ही नहीं, कभी कहा- पानी भरा है, कभी पटवारी नहीं

रायगढ़/मूक पत्रिका

डोलोमाइट और लाइमस्टोन के खनिपट्टों में जितनी गड़बड़ी है, उतनी कहीं नहीं है। खनिजों की चोरी के साथ-साथ रॉयल्टी भी चोरी की जाती है। एनजीटी या सरकार लीज एरिया की जांच करने कहता है तो अधिकारी बहाना बनाकर क्रशर कारोबारियों के लिए ढाल बन जाते हैं। सारंगढ़ और बरमकेला ब्लॉक के खनिपट्टों का सीमांकन किया जाना था, लेकिन अभी तक काम नहीं हुआ। एनजीटी में रिपोर्ट भी जमा नहीं की गई। क्रशरों के संचालन के अब सिआ से ही पर्यावरणीय अनुमति मिलेगी। अभी जितने भी क्रशर चल रहे हैं, वे सरकारी रहमोकरम पर हैं। कुछ महीने बढ़ाकर उनको उधार में मोहलत मिल जाती है। रायगढ़ और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के क्रशरों में लीज क्षेत्र के बाहर भी खनन कर लिया गया है। किसी ने भी साढ़े सात मीटर का ग्रीन बेल्ट डेवलप नहीं किया। बरमकेला तहसील के कटंगपाली, साल्हेओना, जोतपुर, बिलाईगढ़ आदि गांवों में डोलोमाइट के क्रशर स्थापित हैं। सुधीर कुमार पांडेय की अपील पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने ज्वाइंट कमेटी बनाकर रिपोर्ट देने को कहा था। टीम में एमओईएफ के साइंटिस्ट डॉ. पीआर साखरे, तत्कालीन एडीएम रायगढ़ संतन देवी जांगड़े, तत्कालीन एसडीएम सारंगढ़ मोनिका वर्मा और क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी अंकुर साहू को जांच करके रिपोर्ट देने को कहा था। क्रशर संचालकों ने लीज एरिया से बाहर खनन किया है और अब इसे पाटकर सारे

प्रमाण छिपाए जा रहे हैं। पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करने के कारण हो रहे प्रदूषण को लेकर भी विस्तार से जांच करनी थी। तत्कालीन एसडीएम मोनिका वर्मा ने रिपोर्ट बना दी।एनजीटी ने शुभ मिनरल्स, बाबा बैजनाथ मिनरल्स, बिंदल मिनरल्स, गंगा मिनरल्स, रायगढ़ मिनरल्स, सतगुरु सांई माइंस प्रालि, जय दुर्गा क्रशर उद्योग, जय मां चंद्रहासिनी ग्रामोद्योग, ओम मिनरल्स, हरिओम मिनरल्स, नवदुर्गा क्रशर, महमिया मिनरल्स, आर्यन मिनरल्स एंड मेटल्स और अग्रोहा मिनरल्स की जांच के आदेश दिए थे। इसमें से किसी ने भी लीज के चारों ओर साढ़े सात मीटर चौड़ा सघन वृक्षारोपण नहीं किया था। लीज एरिया से बाहर खनन किए जाने का तथ्य लिखते ही राजस्व और खनिज विभाग फंस जाता, इसलिए इन तथ्यों को छिपा लिया गया। सीमांकन रिपोर्ट के हिसाब से कार्रवाई करके एनजीटी को सूचना देनी थी। पर्यावरण विभाग ने कई बार सारंगढ़ एसडीएम को रिमाइंडर दिया है लेकिन कोई असर नहीं हो रहा है।

सबको मिलता है हिस्सा, बैरियर में भी खुली दुकान

डोलोमाइट हो या लाईमस्टोन, इन खदानों से हो रही कमाई पर सारंगढ़ की अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। खनिज विभाग ही सारंगढ़ का कमाऊ पूत है। टिमरलगा बैरियर में तो प्रति गाड़ी का रेट तय करके दुकान खोल ली गई है। नियम विरुद्ध ज्यादा गहराई तक खनन किया जा चुका है। लीज में जितना पत्थर निकाला जा चुका है, उसका कुछ फीसदी ही रॉयल्टी में दिखाया गया। सरकारी जमीनों पर गहरी खदानें हैं। पूरा क्षेत्र बर्बादी के कगार पर है लेकिन कार्रवाई जीरो है। ग्रामीणों से खनन करवाने वाले क्रशर सबका पेट भरते हैं।

बस्तर पुलिस ने डीजे संचालकों की बैठक लेकर दिए सख्त निर्देश

रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन पर प्रतिबंध, ध्वनि सीमा का पालन अनिवार्य

जगदलपुर/मूक पत्रिका

परीक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए बस्तर पुलिस द्वारा डीजे संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक बस्तर श्री शलभ सिन्हा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री माहेश्वर नाग एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमित देवांगन के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली परिसर में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन कार्यवाहक थाना प्रभारी कोतवाली श्री शिवानंद सिंह द्वारा किया गया।बैठक में जगदलपुर क्षेत्र के सभी डीजे संचालकों को आगामी विवाह समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों के दौरान शासन द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रात्रि 10:00 बजे के बाद बिना सक्षम अनुमति के डीजे अथवा लाउडस्पीकर का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इसके साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत निर्धारित डेसीबल सीमा का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। किसी भी प्रकार की अत्यधिक ध्वनि, सार्वजनिक शांति भंग करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की स्थिति में संबंधित डीजे संचालक के विरुद्ध ध्वनि प्रदूषण अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।पुलिस प्रशासन ने सभी संचालकों से शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा आम नागरिकों से भी सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के परिपालन हेतु जिला स्तरीय बैठक संपन्न

ध्वनि प्रदूषण रोकने प्रशासन की अपील, न्यायालयीन आदेशों का करें पालन

डीजे व मैरिज भवन संचालकों से नियमों के पालन की अपील

बेमेतरा/मूक पत्रिका

उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण संबंधी जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से बीते बुधवार दोपहर 3 बजे अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीजे संचालक, मैरिज भवन संचालक, कार्यक्रम आयोजक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही एसडीओपी बेमेतरा, थाना प्रभारी, नगर पालिका

परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरूह्र) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे) के प्रयोग, समय-सीमा, ध्वनि की अधिकतम सीमा तथा प्रतिबंधित समयावधि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। एसडीएम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के आदेशानुसार रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, सिवाय शासन द्वारा घोषित विशेष अवसरों के। निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक ध्वनि का प्रसारण दंडनीय अपराध माना जाएगा।उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालय परिसरों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित संचालकों को ध्वनि नियंत्रण यंत्र (साउंड लिमिटर) का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। बिना अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पाए जाने पर उपकरणों की जब्ती, चालानी कार्रवाई तथा दंडात्मक प्रकरण दर्ज किया जाएगा। एसडीओपी एवं थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों एवं आयोजकों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी। नगर पालिका ष्टरूह्र ने मैरिज हॉल एवं कार्यक्रम स्थलों के संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने परिसर में ध्वनि नियंत्रण संबंधी शर्तों का स्पष्ट उल्लेख करें तथा आयोजकों से नियमों के पालन का लिखित आश्वासन लें। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात परिसर की शांति व्यवस्था बनाए रखना भी संचालकों की जिम्मेदारी होगी। एसडीएम भारद्वाज ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण से आम नागरिकों, विशेषकर वृद्धजनों, विद्यार्थियों एवं मरीजों को गंभीर असुविधा होती है। अतः सभी संचालक सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी विवाह सीजन एवं अन्य आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। बैठक के अंत में उपस्थित डीजे एवं मैरिज भवन संचालकों से नियमों का पालन करने का संकल्प लिया गया तथा सभी को निर्देशों की प्रति उपलब्ध कराई गई। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि ध्वनि प्रदूषण संबंधी किसी भी शिकायत की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि न्यायालयीन आदेशों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा और नियमों के कड़ाई से पालन हेतु निरंतर निगरानी एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

कैट महिला कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक नागपुर मे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर महिला व्यापार नेटवर्किंग को मजबूत करने के उद्देश्य से कैट महिला कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक नागपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में देशभर से महिला उद्यमियों ने सहभागिता की और महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में व्यापक चर्चा की गई।बैठक में विशेष रूप से अध्यक्ष निहारिका त्रिपाठी, सचिव प्रतिज्ञा सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष फिरोज अलीम ,उपाध्यक्ष अनामिका दुबे उपस्थित रहे। सभी ने महिला उद्यमियों को संगठित करने, उन्हें राष्ट्रीय मंच से जोड़ने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के विषय पर

अपने विचार रखे। इस अवसर पर यह घोषणा की गई कि फिरोज अलीम टीम बिलासपुर से सयोंजक एवं निहारिका त्रिपाठी, अनामिका दुबे, प्रतिज्ञा सिंह को कैट महिला कोर टीम में शामिल किया गया है, जो महिला उद्यमिता को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उनके चयन से छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों की महिला उद्यमियों को सशक्त प्रतिनिधित्व मिलेगा।बैठक के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, व्यापारिक अवसरों से जोड़ने तथा आगामी भारतीय व्यापार महोत्सव में महिला सहभागिता को प्राथमिकता देने पर भी विशेष चर्चा की गई।अंत में यह संकल्प लिया गया कि देशभर की व्यापारी महिलाओं को एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच प्रदान किया जाएगा।

शिक्षा गुणवत्ता एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जारी किया आदेश

अभय बैरागी को सजेस सारंगढ़ के प्राचार्य का प्रभार, एल पी पटेल दानसरा हाईस्कूल में संलग्न

सारंगढ़ बिलाईगढ /मूक पत्रिका

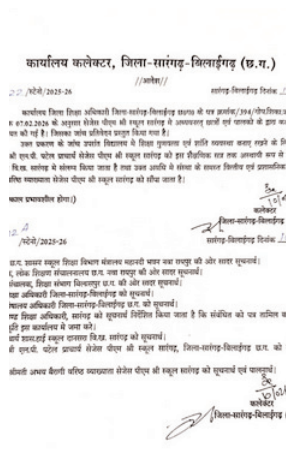

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शिकायत प्रकरण के जांच उपरांत विद्यालय में शिक्षा गुणवत्ता एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक दृष्टिकोण से एल पी पटेल प्राचार्य सेजेस पीएमश्री स्कूल सारंगढ़ को इस शैक्षणिक सत्र तक अस्थायी रूप से शासकीय हाईस्कूल दानसरा ब्लॉक सारंगढ़ में संलग्न का आदेश मंगलवार को जारी किया है। इस अवधि में संस्था के समस्त वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रभार अभय बैरागी वरिष्ठ व्याख्याता सेजेस

कार्यालय कलेक्टर, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
//आदेश//

पीएमश्री स्कूल सारंगढ़ को सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि पीएमश्री स्कूल सारंगढ़ में अध्ययनरत छात्रों एवं पालको के द्वारा कक्षा शिक्षकों के विरुद्ध शिकायत किया गया था, जिसकी जांच रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सारंगढ़ बिलाईगढ़ के द्वारा कलेक्टर को प्रस्तुत किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पाऊरबेल में कम्बल वितरण, वंचित वर्गों की सेवा का दिया संदेश

पाऊरबेल /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत पाऊरबेल के आश्रित पारा दामागुड़ा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक सादगीपूर्ण एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अति पिछड़ी जाति चंडार एवं आदिवासी समुदाय के जरूरतमंद परिवारों के बीच कम्बल वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया। वक्ताओं ने उनके 'अंत्योदय' के सिद्धांत को याद करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सेवा की भावना पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष पीतांबर कश्यप, पूर्व जनपद अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप, जनपद अध्यक्षा सोनबारी भद्रे, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष जितेंद्र पाणिग्रही, महामंत्री अनिल बिसाई, रणवीर सिंह बैस, भगत सोनी, जगन्नाथ तामेन्द बिसाई सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने बढ़-चढ़कर

कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा का संदेश दिया गया और जनप्रतिनिधियों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त ।

श्रमिक पंजीयन कार्ड में ई-केवाईसी अनिवार्य, बिना सत्यापन के योजनाओं का लाभ हो सकता है बंद

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि मंडलों द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) राशि का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक सुनिश्चित रूप से पहुंच सके। विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि ऐसे पंजीकृत श्रमिक जिनका विवरण खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के डाटा से आंशिक रूप से मिलान हो रहा है, उनका नाम आधार कार्ड में दर्ज नाम के अनुरूप सत्यापित किया जाएगा। जिन हितग्राहियों के श्रमिक पंजीयन कार्ड में अंकित नाम एवं आधार कार्ड में अंकित नाम में भिन्नता पाई गई है, उन्हें अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी कराना होगा। ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु संबंधित हितग्राही विकासखण्ड स्तर पर संचालित मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र अथवा कार्यालय श्रम पदाधिकारी, जिला बेमेतरा में कार्यालयीन दिवस में उपस्थित होकर अपना ई-केवाईसी करा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, श्रम पंजीयन कार्ड तथा राशन कार्ड की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा, ताकि दस्तावेजों का सत्यापन कर प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।श्रम पदाधिकारी ने बताया कि जिले के लगभग 8,426 पंजीकृत श्रमिकों का आधार कार्ड श्रम विभाग के पोर्टल पर अपलोड नहीं होने के कारण उनकी ई-केवाईसी प्रक्रिया अपूर्ण है। ऐसे श्रमिक यदि शीघ्र ई-केवाईसी नहीं कराते हैं तो वे मंडलों द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। अतः सभी संबंधित पंजीकृत श्रमिकों से अपील की गई है कि वे समय रहते आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराएं, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त होता रहे।

सलूजा कनेक्शन के साये में ट्रिनिटी रेड, स्पा संचालक पर कार्रवाई लेकिन होटल मालिक पर चुप्पी

होटल ट्रिनिटी में चल रही थी स्वयं सेवा @ पुलिस ने बना दिया देह व्यापार का मामला

पूर्व मुख्यमंत्रियों से लेकर वर्तमान सत्ता तक नजदीकियों की चर्चा, ग्राहकों और प्रबंधन की भूमिका पर उठे तीखे सवाल

रायगढ़/मूक पत्रिका

होटल ट्रिनिटी की सातवीं मंजिल पर संचालित सनराइज स्पा एंड सैलून में कथित देह व्यापार के खुलासे के बाद मामला अब सीधे होटल मालिक शरणजीत सिंह सलूजा और उनकी राजनीतिक पहुंच पर केंद्रित हो गया है। शहर में लंबे समय से यह चर्चा रही है कि सलूजा की नजदीकियां पूर्व मुख्यमंत्रियों से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री तक रही हैं और वे सत्ता के गलियारों में प्रभावशाली दखल रखने वाले व्यक्ति माने जाते हैं।

ऐसे में नए पुलिस अधीक्षक द्वारा कराई गई रेड के बाद जिस तरह की आधी अधूरी कार्रवाई सामने आई है, उसने पूरे घटनाक्रम को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है।

पुलिस की ओर से जारी जानकारी में स्वीकार किया गया कि होटल परिसर के भीतर अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं और स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार चल रहा था। इसके बावजूद अब तक होटल संचालक शरणजीत सिंह सलूजा के खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं किया गया है। छोटे मामलों में जहां किराएदार के साथ मकान मालिक को भी आरोपी बनाया जाता है, वहीं इतने बड़े होटल में कथित रूप से चल रही गतिविधियों के बावजूद मालिक की भूमिका पर चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। क्या होटल प्रबंधन को इसकी जानकारी नहीं थी, या फिर जानबूझकर अनदेखी की गई। मीडिया के दबाव के बाद स्पा संचालक और मैनेजर को आरोपी बनाया गया, लेकिन

जिस होटल भवन में पूरा नेटवर्क संचालित होने की बात कही गई, उसके स्वामी को दायरे से बाहर रखना लोगों को समझ नहीं आ रहा। शहरवासियों का कहना है कि पुलिस ने पहले अपनी पीठ थपथपाई, लेकिन जब बात प्रभावशाली नाम तक पहुंची तो कार्रवाई की धार कुंद पड़ गई। मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्राहकों को लेकर भी है। यदि देह व्यापार चल रहा था तो ग्राहक कौन थे। क्या रेड के समय कोई ग्राहक मौजूद नहीं था। यदि थे तो उनके नाम एफआईआर में क्यों दर्ज नहीं किए गए और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। और यदि कोई ग्राहक नहीं था तो फिर पुलिस की पूरी कार्रवाई की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। शहर में यह चर्चा भी है कि क्या कुछ रसूखदार लोग ग्राहक के रूप में मौजूद थे जिन्हें बचा लिया गया।

यह छोटू मालिश वाला कौन

इसी प्रकरण में जिस छोटू नाम का जिक्र सामने आ रहा है, वह कोई बाहरी व्यक्ति नहीं बल्कि होटल प्रबंधन से जुड़ा मालिश का काम देखने वाला शख्स बताया जा रहा है।

यदि छोटू होटल प्रबंधन से संबद्ध था और कथित गतिविधियों में उसकी भूमिका थी, तो फिर उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही। यह तथ्य पुलिस की जांच की दिशा पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ट्रिनिटी प्रकरण अब केवल एक आपराधिक मामला नहीं रहा, बल्कि यह इस बात की परीक्षा बन गया है कि रायगढ़ में कानून प्रभावशाली नामों से ऊपर है या नहीं।

मालिक पर खामोशी क्यों

यदि अवैध गतिविधियां होटल परिसर में चल रही थीं तो होटल मालिक की जवाबदेही तय क्यों नहीं की गई। छोटे मामलों में संपत्ति स्वामी तक को आरोपी बनाया जाता है, लेकिन यहां प्रभावशाली नाम सामने आते ही कार्रवाई रुकती नजर आ रही है। पुलिस की यह भेदभाव पूर्ण कार्यवाही और सिलेक्टेड कार्यवाही किसी भी मायने में ठीक नहीं कहीं जा सकती चुनिंदा लोगों को बचाया जाना और अन्य लोगों पर द्वद्वह्ल करना, यह पुलिसिया आतंकवाद का दूसरा रूप दिखाई देता है

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण के लिए भू-अर्जन हेतु समाघात दल ने की अनुशंसा

बिलासपुर। जिले के रतनपुर तहसील के ग्राम रतनपुर में हेलीपेड से बादल महल तक सड़क निर्माण के लिए भूमि का अर्जन किया जाना है। सामाजिक समाघात दल ने ग्राम रतनपुर में भू-अर्जन से पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन किया। मूल्यांकन में पाया गया कि रतनपुर में भू-अर्जन से 0.12 एकड़ भूमि प्रभावित हो रही है जिसका समाघात दल ने क्षेत्रवासियों से भी सहमति लिया और पाया कि अर्जित भूमि से कोई मकान आदि प्रभावित नहीं हो रहा है और न ही किसी भी परिवार के विस्थापन की संभावना है। सामाजिक समाघात दल द्वारा यह पाया गया है कि अधोसंरचना पर कोई बाधा नहीं है तथा अधोसंरचना का कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। समाघात दल इस बात से संतुष्ट है कि लोक निर्माण विभाग को जितनी भूमि की आवश्यकता है उतनी ही भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। समाघात दल ने ग्राम रतनपुर में सड़क निर्माण हेतु रकबा 0.12 एकड़ भूमि का अर्जन लोकहित में किए जाने की अनुशंसा की है। रतनपुर में हेलीपेड से बादल महल तक सड़क निर्माण होने से रतनपुर के 5 वार्डों का आवागमन हेतु एक सुगम एवं वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो सकेगा। महामाया मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ के समय यातायात को सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए पहुंच मार्ग का उपयोग बायपास के रूप में हो सकेगा।

सुबह कमरे से नहीं निकली बेटी फंदे में लटक रही थी लाश

बिलासपुर। पचपेड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोन में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. जब उनके घर की बेटी की लाश कमरे में फांसी के फंदे पर झूलती मिली. मिली जानकारी के अनुसार पचपेड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम सोन निवासी सुखीराम पटेल की 17 वर्षीय बेटी ईश्वरी पटेल की लाश रविवार की सुबह उसके कमरे में फांसी के फंदे पर झूलती हुई मिली है. परिजनों के अनुसार सभी रात में खाना खाकर सो गए थे. सुबह 6 बजे जब परिजन सो कर उठे तो बेटी ईश्वरी का कमरा बंद था. परिजनों ने आवाज लगाई लेकिन कोई हलचल नही हुई तो खिड़की तोड़कर अंदर झांकते ही उनके होश उड़ गए. उनकी बेटी ईश्वरी पंखे में फांसी के फंदे पर झूल रही थी. जिससे पूरे परिवार में चींख पुकार मच गई. घटना की सूचना पचपेड़ी पुलिस को दी गई, मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद पीएम के लिए भेज दिया. वही मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. फ्लिहाल युवती ने आत्महत्या क्यो की इसकी जानकारी सामने नही आई है. परिजनों ने उसकी मानसिक स्थिति ठीक नही होने की जानकारी पुलिस को दी है

एसआईआर विवाद सुलझाः प्रशासन ने विलोपित सूची से हटाए नाम, मौन जुलूस स्थगित

कोरबा। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को लेकर उत्पन्न विवाद के संबंध में दिनांक 8-2-26 रविवार को दोपहर 3 बजे तहसील कार्यालय कोरबा में प्रशासन एवं सुन्नी मुस्लिम जमात कोरबा के पदाधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से मतदाता सूची में नाम विलोपित किए जाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। प्रशासन द्वारा बैठक के दौरान संबंधित सूची प्रस्तुत की गई, जिसमें स्पष्ट किया गया कि किसी भी व्यक्ति का नाम विलोपित सूची में नहीं है तथा पूर्व में दर्ज सभी नाम विलोपित सूची से हटा दिए गए हैं। इस आश्वासन के बाद सुन्नी मुस्लिम जमात कोरबा ने प्रस्तावित मौन जुलूस को स्थगित करने की घोषणा की। प्रशासन द्वारा मुस्लिम समाज की सभी मांगों को स्वीकार कर समाधान का भरोसा दिया गया। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कोरबा सरोज महिलांगे, तहसीलदार बजरंग साहू, एडिशनल एसपी नीतीश कुमार ठाकुर, एडिशनल एसपी प्रतीक चतुर्वेदी, रामपुर चैकी प्रभारी नवीन पटेल, अजय सोनवानी,अजय सिंह परिहार, इमरान खान सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सजग कोरबा-सतर्क कोरबा अभियान के तहत सख्त रात्रि चेकिंग

कोरबा। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने सजग कोरबा-सतर्क कोरबा अभियान के तहत 7-8 फरवरी की दरमियानी रात विशेष रात्रि चेकिंग एवं कांबिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर पूरे जिले में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान गुंडा व निगरानी बदमाशों की सघन जांच की गई। पूर्व से आदतन अपराधी पाए गए 12 लोगों पर धारा 129 बीएनएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, जबकि संदिग्ध अवस्था में घूम रहे 3 व्यक्तियों पर धारा 128 बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई हुई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

बिलासपुर जिले के 175 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअली जुड़कर नव दंपत्तियों को दिया आर्शीवाद
- शासन की योजनाओं से निर्धन परिवारों को मिला संबल : श्री धरमलाल कौशिक

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश भर में किया गया। जिसमें 6 हजार 412 जोड़ों ने दांपत्य जीवन में प्रवेश किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने वर्चुअली जुड़कर सभी नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद दिया। इस अवसर पर कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। जिला स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन स्व. श्री बी.आर. यादव बहतराई स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में जिले के 175 पात्र जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक सर्वश्री श्री धरमलाल कौशिक, श्री दिलीप लहरिया, श्री अटल श्रीवास्तव सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने दंपत्तियों को शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद जीवन की कामना की। कार्यक्रम में बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि सरकार निर्धन परिवार के बेटे और बेटियों की चिंता कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत निर्धन परिवारों को बड़ा आर्थिक संबल मिला है और उनके एक बड़े दायित्व को सरकार पूरा कर रही है। उन्होंने वर-वधुओं को आर्शीवाद देकर उनके सुखमय

जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से सरकार न केवल गरीबों को घर दे रही है बल्कि शौचालय, पानी, बिजली की व्यवस्था सहित उन्हें प्रतिमाह खाद्यान्न भी उपलब्ध करा रही है। रोजगार की उपलब्धता से उनके जीवन स्तर में सतत बदलाव आ रहा है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए वरदान है। बहुत सारी बेटियों के हाथ आज पीले हो रहे हैं और मैं उनके सुखमय दांपत्य जीवन की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याण योजनाओं से जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकरात्मक बदलाव आ रहे है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए संवेदनशील पहल है। क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह का यह भव्य आयोजन पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया है, जिससे निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने बेटियों के विवाह को सम्मानजनक बनाया है। शासन की ओर से प्रत्येक हितग्राही जोड़े को 35 हजार रुपये का चेक उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इसके साथ ही परिवहन हेतु 1 हजार रुपये की सहायता राशि तथा विवाह के लिए वस्त्र, मंगलसूत्र एवं श्रृंगार सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, बिल्हा जनपद अध्यक्ष श्री राम कुमार कौशिक, श्रीमती भारती माली, वंदना जेण्ड्रे सहित जिला व जनपद पंचायत बिल्हा के सदस्यगण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से कार्यक्रम में एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, एसडीएम श्री मनीष साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्री सुरेश सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला बाल विकास विभाग की अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरूआत हुई

- अधिकारियों ने सामूहिक रूप से दवा का सेवन कर लोगों को किया जागरूक

बिलासपुर। जिले में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरुआत आज से कर दी गई है। यह अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी तक जिले के समस्त क्षेत्रों में चलाया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और दवा का सेवन कर बीमारी के प्रसार को रोकना है। आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में सभी अधिकारियों ने सामूहिक रूप से दवा का सेवन किया, ताकि आम जनता में जागरूकता बढ़े और लोग इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित हों। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, सहायक कलेक्टर श्री अरविंथ कुमारन, एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने सभी लोगों से अपील की कि वे निर्धारित समय पर दवा का सेवन अवश्य करें, क्योंकि फाइलेरिया जैसे रोगों से बचाव केवल सामूहिक प्रयास से ही संभव है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी घर-घर जाकर दवा का वितरण करेंगे और लोगों को रोग और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी है, जो समय रहते रोकथाम के प्रयासों से नियंत्रित की जा सकती है।

मामूली विवाद पर पतनी की हत्या, पति गिरफ्तार

जशपुर। जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में सब्जी पकाने की मामूली बात को लेकर हुए विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी गर्भवति पत्नी की डंडे से मार-मारकर हत्या कर दी औश्र फिर अपनी 2 साल की बच्ची को लेकर हो गया। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामला ग्राम ढोठीपहरी, कुरूम ढोढा का है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 06.02.26 को प्रार्थी जेठू विश्वकर्मा उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम बेलसुंगा थाना नारायणपुर के द्वारा थाना नारायणपुर में सूचना दिया गया था कि, उसकी बेटी कमला विश्वकर्मा जो कि चौकी दोकड़ा क्षेत्रांतर्गत ग्राम ढोढ़ीबहार निवासी आरोपी स्वदेश उर्फ सुदेश राम कोरवा से प्रेम करती थी, अत: कुछ वर्ष पूर्व वह, आरोपी स्वदेश उर्फ सुदेश राम कोरवा के पास रहने चली गई थी, आरोपी स्वदेश उर्फ सुदेश राम कोरवा, उसकी बेटी कमला विश्वकर्मा को पत्नी बनाकर रखा था, वर्तमान में दोनों की एक दो वर्षीय बेटी है, व उसकी बेटी कमला विश्वकर्मा 06 माह की गर्भवती थी, करीबन जनवरी माह से प्रार्थी की बेटी कमला व दामाद आरोपी स्वदेश, प्रार्थी के घर ग्राम बेलसुंगा में रह रहे थे, जहां आरोपी स्वदेश ग्राम रनपुर के एक व्यक्ति का ट्रेक्टर को चलता था,। घटना से तकरीबन 01 सप्ताह पूर्व, आरोपी स्वदेश उर्फ सुदेश राम कोरवा अपनी पत्नी कमला विश्वकर्मा व अपनी 02 वर्ष की बेटी को लेकर थाना नारायणपुर क्षेत्रांतर्गत ही ग्राम ढोठीपहरी, कुरूम ढोढा में अपने नाना के घर लेकर गया था व वहीं रह रहा था। घटना दिनांक 06.02.2026 को शाम करीब साढ़े सात बजे दोनों पति पत्नि के मध्य सब्जी बनाने की बात को लेकर विवाद हुआ और आरोपी स्वदेश उर्फ सुदेश राम ने आवेश में आकर, पास पड़े डंडे से अपनी पत्नि कमला के साथ मारपीट करते हुए उसके सिर पर वार कर दिया।

सीएमएचओ डॉ. एस. एन.केशरी ने करतला स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

कोरबा। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. एस.एन.केशरी लगातार मैदानी मोर्चे पर डटे हुए हैं। इसी कड़ी में डॉ. केशरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) करतला का सघन निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान हर विभाग की हुई सूक्ष्म जांच डॉ. केशरी ने अस्पताल के चप्पे-चप्पे का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर, ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, लेबर रूम, ओटी, दवा भंडार, इंटीग्रेटेड लैब और ब्लड स्टोरेज यूनिट सहित सभी महत्वपूर्ण कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई पर विशेष जोर देते हुए मुख्य द्वार पर पायदान लगाने और आईपीडी के बेडशीट की सफाई के लिए विशेष जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए:- आभा आईडी (आभा आईडी): ओपीडी में आने वाले हर मरीज की आभा आईडी सुनिश्चित करने के लिए आयुष्मान मित्र और मितानिन हेल्पडेस्क को सक्रिय करने को कहा। गर्भवती महिलाओं की देखभाल: सभी 'प्रायमी पारा' (पहली बार मां बनने वाली) महिलाओं को हाई रिस्क ग्रुप में रखकर उनकी विशेष जांच और संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तकनीकी सतर्कता: शीत श्रृंखला में फ्रीजर के तापमान की निरंतर मॉनिटरिंग और ओटी में विसंक्रमण पर विशेष ध्यान देने को कहा। दवाइयों की उपलब्धता: खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि केंद्रों में सभी आवश्यक दवाइयों का स्टॉक हमेशा उपलब्ध रहे। डॉ. एस.एन.केशरी ने सख्त लहजे में कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

न्यायालय तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र.///प्र.1/तह./2026
बेमेतरा, दिनांक....
रा.प्र.क्र., ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक खेदूराम ध्रुव पिता माखन निवासी ग्राम बैजलपुर तहसील व जिला बेमेतरा के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष अपने पत्नी मेहतरीन ध्रुव पति खेदूराम ध्रुव के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पेश किया गया है। जिनकी मृत्यु दिनाँक 10.06.2017 को ग्राम बैजलपुर में होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

तारीख 20/02/2026 उक्त आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 05/02/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), साजा जिला बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश चांडक पिता पुरूषोत्तम चांडक निवासी ग्राम साजा तहसील साजा जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की ग्राम साजा प.ह.नं. 04 तहसील साजा स्थित भूमि ख.नं. 2366/7 रकबा 0.02 हेक्ट. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ इस कार्यालय मे आवेदन पत्र प्रस्तुत किये हैं।

अत: इस संबंध मे जिस किसी व्यक्ति को उजर-दावा हो तो दिनांक 13/02/2026 तक स्वत: अद्योहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय मे शाम 5.00 बजे तक दावा आपत्ति पेश कर सकते है। बाद मे प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज 29.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुहर
साजा
जिला-बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार तहसील भिंभौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम बांसा को सुचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका बीसवंतीन चेलक पति विजय कुमार चेलक निवासी ग्राम बांसा द्वारा आवेदन पत्र पेश किया है कि मेरे पति विजय कुमार चेलक पिता श्यामलाल चेलक का मृत्यु दिनांक 03/03/2010 को ग्राम बांसा में होना बताया है। आवेदिका ने आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान प्रति दाखिला खारिज / अनुपलब्धता प्रमाण पत्र संलग्न कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया है।

आवेदिका के पति विजय कुमार चेलक पिता श्यामलाल चेलक के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा करना हो तो दिनांक 13/02/2026 को स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा आवेदन पेश कर सकते है। नियत दिनांक बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/12/2025 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
तहसील भिंभौरी,
जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500001
रा.प्र.क./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदिका शारदा सोनी, पति विजय कुमार सोनी, जाति सोनार, निवासी भगत सिंह वार्ड 06 नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 2550/2 का रकबा 0.22 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 13/02/2026 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 05/02/20 को 2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500002
रा.प्र.क./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदिका शारदा सोनी, पति विजय कुमार सोनी, जाति सोनार, निवासी भगत सिंह वार्ड 06 नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम छितापार, प.ह.नं. 15, तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 108/1 का रकबा 0.01 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 13/02/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 05/02/20 को 2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500003
रा.प्र.क./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदक महेन्द्र कुमार मनहरे, पिता मयाराम मनहरे, साकिन ग्राम नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 2551/8 का रकबा 0.02 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 13/02/2026 पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 05/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500006
रा.प्र.क./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदिका मनीषा धृतलहरे, पति ऋषभकांत घृतलहरे, जाति सतनामी, साकिन वार्ड नं. 01 नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 673/29 का रकबा 0.01 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 13/02/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 05/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500005
रा.प्र.क./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदिका मिथला साहू, पति रज्जू लाल साहू, साकिन ग्राम नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 752/52 का रकबा 0.02 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 13/02/2026 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 05/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500004
रा.प्र.क./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदिका दीपा बाई साहू, पति मेलू राम साहू, जाति तेली, साकिन ग्राम नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 885/18 का रकबा 0.02 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 13/02/202 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 09/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

सीफर्ट और एलेन की शानदार साझेदारी

न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया

चेन्नई। न्यूजीलैंड ने यूएई के खिलाफ टी20 विश्व कप के मुकाबले में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। टिम सीफर्ट और फिन एलेन ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे कीवी टीम ने 10 विकेट से विरोधी टीम को हराया।

टिम सीफर्ट और फिन एलेन की शानदार साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया। यूएई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। यूएई ने मोहम्मद वसीम और अलीशान शराफु के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने सीफर्ट और एलेन के नाबाद अर्धशतकों की मदद से 15.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 175 रन बनाकर मैच जीत लिया। न्यूजीलैंड की टी20 विश्व कप में यह लगातार दूसरी जीत है।

वसीम का पचासा

शराफु के आउट होने के बाद यूएई की पारी धीमी पड़ गई, लेकिन वसीम अपनी पारी बढ़ाते रहे। यूएई को हर्षित कौशिक के रूप में तीसरा झटका लगा जो दो रन बनाकर ग्लेन फिलिप्स का शिकार बने। इसके बाद वसीम ने 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वसीम एक छोर से मोर्चा संभाले रहे जिससे यूएई का स्कोर 170 रन के पार पहुंचने में सफल रहा। वसीम 45 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन बनाकर नाबाद रहे। यूएई के लिए मयंक कुमार ने 13 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए, जबकि शोएब खान सात रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी को दो विकेट मिले, जबकि जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स को एक-एक सफलता मिली।

टी20 विश्व कप

सीफर्ट-एलेन के सामने बेदम दिखा यूएई

लक्ष्य का पीछा करते हुए सीफर्ट और एलेन ने न्यूजीलैंड को मजबूत शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआती से ही आक्रामक रुख अपनाया और यूएई के गेंदबाजों को हावी होने का कोई मौका नहीं दिया। यूएई ने न्यूजीलैंड के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था, लेकिन सीफर्ट और एलेन ने जिस अंदाज में बल्लेबाजी की उससे ये लक्ष्य आसान बन गया। सीफर्ट और एलेन के बीच पहले विकेट के लिए 175 रनों की अविजित साझेदारी हुई जो टी20 विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। सीफर्ट 42 गेंदों पर 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 89 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि एलेन ने 50 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों के सहारे नाबाद 84 रन बनाए।

शराफु-वसीम की शानदार साझेदारी

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई को पहला झटका शुरुआत में ही लग गया था। जैकब डफी ने आर्यंश शर्मा को आउट किया जो आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हालांकि, मोहम्मद वसीम और अलीशान शराफु ने टीम को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। इस दौरान अलीशान शराफु ने 39 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। शराफु और वसीम ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। हालांकि, सैंटनर आखिरकार इस साझेदारी को तोड़ने में सफल रहे। सैंटनर ने शराफु को आउट किया जो 47 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए।

सइफर्ट के छक्के से जीता न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड ने 174 रन का टागरेट 15.2 ओवर में जीत कर लिया है। टिम सइफर्ट ने मोहम्मद राशिद खान की दूसरी बॉल पर छक्का लगाकर कीवियों को 10 विकेट की जीत दिलाई।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

लीमा । भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

ब्रीफ न्यूज

खेलो मप्र बैडमिंटन: इंदौर के कन्हैया, कनिका और अवनी ने जीते खिताब

ग्वालियर/इंदौर । ग्वालियर में संपन्न हुई खेलो मप्र युवा खेल राज्य रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा में इंदौर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन प्रमुख खिताब अपने नाम किए। इंदौर के कन्हैया शर्मा ने बालक एकल और कनिका जाट व अवनी यादव ने बालिका युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया।

कन्हैया शर्मा बने जूनियर चैंपियन

19 वर्ष बालक एकल का फाइनल मुकाबला इंदौर संभाग के ही दो खिलाड़ियों के बीच खेला गया। कन्हैया शर्मा ने धार जिले के तनमय शर्मा को सीधे सेटों में 21-16, 21-14 से पराजित किया। यह मुकाबला 34 मिनट तक चला।

बालिका युगल में कनिका-अवनी की जोड़ी अव्वल

बालिका युगल (अंडर-19) के फाइनल में इंदौर की कनिका जाट और अवनी यादव की जोड़ी ने कृतिका पाठक और आदित्या शर्मा को कड़े संघर्ष में 21-14, 18-21, 21-9 से हराकर खिताब जीता। इस मुकाबले का फैसला 47 मिनट में हुआ।

अवनी यादव को एकल में रजत

दोहरे खिताब की ओर बढ़ रही अवनी यादव को बालिका एकल (अंडर-19) के फाइनल में पाखी गुप्ता से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उन्हें उपविजेता (रजत पदक) से संतोष करना पड़ा। इससे पहले सेमीफाइनल में अवनी ने अपनी ही संभाग की अविका वर्मा को 21-15, 21-12 से हराया था।

मप्र खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस राज्य रैंकिंग स्पर्धा के लिए इंदौर संभाग की टीम का चयन एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में किया गया था। खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि पर इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन के अध्यक्ष अनिल भंडारी, सचिव आर पी सिंह नैयर, सह सचिव धर्मेश यशलहा, खेल अधिकारी रीना चौहान एवं राजेश शाक्य सहित खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने इंडोनेशिया जाएगी दिव्या चौधरी

राजस्थान। दिव्या की उड़ान बनी बेटियों के सपनों की नई प्रेरणाराजस्थान की बेटियां अब देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में जोधपुर जिले के बिसलपुर गांव की मूल निवासी दिव्या चौधरी ने कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे

छोटी उम्र में बड़ी उड़ान

दिव्या की उड़ान बनी बेटियों के सपनों की नई प्रेरणा

राजस्थान की बेटियां अब देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में जोधपुर जिले के बिसलपुर गांव की मूल निवासी दिव्या चौधरी ने कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश का नाम रोशन किया है। दिव्या वर्तमान में गोवा के मडगांव शहर में रहकर पढ़ाई कर रही हैं और वहीं रोलर स्केटिंग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। वह होली स्प्रिट इंस्टीट्यूट, मडगांव की छठी कक्षा की छात्रा हैं। दिव्या के पिता रामप्रकाश चौधरी गोवा में किराणा एवं जनरल स्टोर का व्यवसाय करते हैं, जबकि माता रेखा देवी बेटी की पढ़ाई और खेल दोनों में लगातार प्रोत्साहन देती हैं। सिर्फ 11 वर्ष 6 महीने की उम्र में दिव्या ने 1 फरवरी 2026 को मडगांव स्थित एसजीपीडीए पार्किंग लॉट में आयोजित गोवा स्केटिंग फेस्टिवल टूर्नामेंट में अंडर-13 गर्ल्स वर्ग की 1500 मीटर और 800 मीटर दोनों प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सही मार्गदर्शन से छू सकते हैं ऊंचाइयां

दिव्या गोवा टीम की ओर से प्रतियोगिता में उतरी थीं और उनकी इस सफलता के बाद अब उनका चयन इंटरनेशनल रोलर स्पोर्ट्स प्रोमोशनल टूर्नामेंट 2026 के लिए हुआ है, जो इंडोनेशिया में आयोजित होगा। आगामी एक माह के भीतर वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने रवाना होंगी।

एफ-1 के सपने की तरफ रफ्तार से बढ़ रही हैं फरीदाबाद की 9 वर्षीय अर्शी गुप्ता

दिल्ली। फरीदाबाद की नौ वर्षीय अर्शी गुप्ता एफ1 एकेडमी के 'डिस्कवर योर ड्राइव' कार्यक्रम में सलेक्ट होने वाली सबसे कम उम्र की रेसर बन गई हैं। भारत की पहली महिला नेशनल कार्टिंग चैंपियन अर्शी अब ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर आएंगी और मोटरस्पोर्ट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

फरीदाबाद की नौ वर्षीय अर्शी गुप्ता ने भारतीय मोटरस्पोर्ट्स में एक नया इतिहास रच दिया है। वह स्नश्वह्लद्धह्वद्यड्ढ 1 एकेडमी डिस्कवर योर ड्राइव कार्यक्रम में चयनित होने वाली विश्व की सबसे कम उम्र की रेसर बन गई हैं। यह कार्यक्रम दुनियाभर में युवा महिला रेसिंग प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। अर्शी इस कार्यक्रम में शामिल एकमात्र भारतीय है जिसके पास कार्टिंग लाइसेंस है।

पांच महीनों में ही निखरने लगा टैलेंट

2023 में गुरुग्राम के एक कार्टिंग ट्रैक पर शुरुआत करने के बाद महज पांच महीनों में अर्शी सबसे तेज ड्राइवरों में शामिल हो गई। कोच रोहित खन्ना के मार्गदर्शन में अर्शी ने लीपफ्रॉग रेसिंग टीम के साथ प्रोफेशनल ट्रेनिंग शुरू की।

मोटरस्पोर्ट की सुविधा सीमित, मगर अर्शी का लक्ष्य साफ

भारत में मोटरस्पोर्ट्स की सीमित सुविधाओं के कारण अर्शी को अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच यूएई में पांच महीने की ट्रेनिंग लेनी पड़ी। इसके बाद ब्रिटेन में दस सप्ताह का प्रशिक्षण भी लिया। जनवरी 2025 में द्बस्न्ध स्द्गह्वद्बद्गह्य में उन्होंने अपना पहला पोडियम हासिल किया। नवंबर 2025 में अर्शी ने भारत लौटकर नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। वह एशिया की एकमात्र महिला नेशनल कार्टिंग चैंपियन हैं।

महज 4 साल की उम्र से रफ्तार से लगाव

फरीदाबाद के दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली अर्शी की रफ्तार से मोहब्बत बचपन से ही शुरू हो गई थी। उनके पिता अंचित गुप्ता रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करते हैं। वे बताते हैं कि जब अर्शी तीन-चार साल की थी तभी से परिवार ने उनके अंदर स्पीड के प्रति खास लगाव देखा। अर्शी की मां डॉ. दीप्ति गुप्ता एक डॉक्टर हैं और पूरा परिवार अर्शी के सपनों को साकार करने में जुटा है।

फरहान के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से जीता पाक

कोलंबों। साहिबजादा फरहान की बल्लेबाजी के बाद उस्मान तारिक की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में अमेरिका को 32 रनों से हराया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 158 रन ही बना सकी। अमेरिका के लिए शुभम रंजन ने अर्धशतक लगाया, लेकिन वह भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंचा पाकिस्तान

पाकिस्तान की टीम ने इस तरह ग्रुप चरण में अपने शुरुआती दोनों मुकाबले जीत लिए हैं। पाकिस्तान ने पहले मैच में नीदरलैंड को हराया था और अब उसने अमेरिका को मात दे दी है। पाकिस्तान की टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है। भारत का अबतक एक ही मैच हुआ है और उसने भी अमेरिका को हराया था।

पाकिस्तान के लिए फरहान की शानदार बल्लेबाजी

पाकिस्तान के लिए फरहान ने शानदार बल्लेबाजी की और 41 गेंदों पर छह चौकों और पांच छक्कों की मदद से 73 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए फरहान के अलावा बाबर आजम ने 32 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाए, जबकि शादाब खान ने 12 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। सईम अयूब 19, मोहम्मद नवाज पांच, सलमान आगा एक और फहीम अशरफ ने एक रन बनाए। वहीं, शाहीन अफरीदी नौ रन बनाकर नाबाद लौटे। अमेरिका की ओर से शाल्कविक के चार विकेटों के अलावा सौरव नेत्रवल्कर, मोहम्मद मोहसिन और हरमीत सिंह को एक-एक विकेट मिला।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

मुंबइ। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा।

वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंडन (विकेटकीपर), फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग।

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्डे, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स।

मिलान में कोर्टिनों 2026 ओलंपिक की स्पीड स्केटिंग में महिलाओं के वर्ग में भाग लेती हुई नीदरलैंड की जूटा लीयरडेम।

बास डी लीडे ने 48 बॉल पर 72 रन बनाए, 2 विकेट भी झटके

नीदरलैंड ने नामीबिया को 7 विकेट से हराया

दिल्ली। नीदरलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 10वें मैच में नामीबिया पर 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम ने ग्रुप ए के मैच में 157 रन का टारगेट 18 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। पहले बैटिंग करते हुए नामीबिया ने 20 ओवर में 8 विकेट 156 रन बनाए।

NED की ओर से बास डी लीडे ने 48 बॉल पर 72 रन की पारी खेली। जबकि कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स 18 रन पर नाबाद लौटे। कॉलिन एकरमैन ने 32 और माइकल लेविट ने 28 रन बनाए।

नामीबिया की ओर से निकोल लोफ्टी-ईटन ने 42, जॉन फ्राइलिनक ने 30 और जेजे स्मिट ने 15 बॉल पर 22 रन बनाए। लोगान वैन बीक और बास डी लीडे ने 2-2 विकेट लिए। आर्यन दत्त और फ्रेड क्लासन को 1-1 विकेट मिला। विलेम मायबर्ग और रूबेन ट्रम्पेलमैन रन आउट हुए। मैच का नीदरलैंड जीत से ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के नंबर-2 पर आया बास डी लीडे प्लेयर ऑफ द मैच बास डी लीडे ने चौका मारकर जिताया 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर बास डी लीडे ने चौका लगाकर नीदरलैंड को जीत दिलाई। यह ओवर निकोल लोफ्टी-ईटन डाल रहे थे। इस ओवर से 21 रन आए।

इस जीत के साथ नीदरलैंड की टीम

ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर आ गई है। टीम के पास दो मैच में एक जीत्र के साथ 2 अंक हैं। भारत और पाकिस्तान के पास भी 2-2 अंक हैं। भारत का नेट रन रेट नीदरलैंड से ज्यादा है, जबकि पाकिस्तान का नेट रन रेट कम है।

परीक्षा के दौरान टाइम मैनेजमेंट और पॉजिटिव एटीट्यूड सर्वाधिक महत्वपूर्ण : कलेक्टर

परीक्षा पे चर्चा में कलेक्टर ने दिए सफलता के मंत्र

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्री-बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया गया। पीएम श्री नरहरदेव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान समय-प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण होता है। निर्धारित समय में अधिक से अधिक प्रश्नों का सही उत्तर लिखने के लिए टाइम मैनेजमेंट जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि जिन प्रश्नों के उत्तर वे बेहतर ढंग से दे सकते हैं, उन्हें पहले हल करें और उत्तर लिखते समय विषयांतर से बचें। कलेक्टर ने सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि नियमित अध्ययन, सही योजना और पॉजिटिव एटीट्यूड के साथ परीक्षा देने से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विषयवार तैयारी, संयमित खानपान तथा बाहर के खाद्य पदार्थों से परहेज करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि 'हमर लक्ष्य' अभियान के तहत पिछले वर्षों में जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। इस वर्ष भी राज्य की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जिला प्रशासन द्वारा मुंबई की हवाई यात्रा कराई जाएगी। साथ ही सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट एवं स्कूटी प्रदान की जाएगी तथा शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले विद्यालयों को 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने विषयवार प्रबंधन और प्रश्न चयन की प्राथमिकता पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा को लेकर तनावमुक्त रहने और आत्मविश्वास के साथ उत्तर लिखने की अपील की। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. पल्लवी क्षीरसागर ने शिक्षा मनोविज्ञान के आधार पर विद्यार्थियों को गहन अध्ययन, समय प्रबंधन और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद सहित अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। रायपुर से आए मोटिवेशनल स्पीकर्स ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर ने फाइलेरिया की दवा स्वयं खाकर नागरिकों को दवा सेवन करने किया अपील

फाइलेरिया से बचने 25 पुरवरी तक सामूहिक दवा सेवन अभियान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्टर कक्ष में फाइलेरिया बीमारी से बचाव का दवा सेवन किया। सेक्टर छिंद की बसंती साहू और सेक्टर छातादेई के दामोदर साहू ने कलेक्टर डॉ कन्नौजे के शारीरिक ऊचाई नापकर दवा दिए, जिसे उन्होंने सेवन किया। दवा सेवन उपरांत कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से फाइलेरिया बीमारी से जागरुक रहने के लिए अपील किया कि, मैं आप सभी जिलेवासियों से आह्वान करता हूँ कि आप इस अभियान में सहयोग करें और अपने परिवार और समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करें। यह दवा सुरक्षित और प्रभावी है, और यह बीमारी को रोकने में मदद करेगी। आइए, हम सभी मिलकर फाइलेरिया उन्मूलन के लिए काम करें और एक स्वस्थ जिला बनाएं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सामूहिक दवा सेवन अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक चलाया जा रहा है, जिसमें सभी नागरिकों (÷दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिला एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को छोड़कर÷) को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाई जाएगी।

किनको नहीं खिलाना है फाइलेरिया की दवा

स्कूल, आंगनबाड़ी, क्लिनिक, हॉस्पिटल या 10 फरवरी से 25 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन अभियान में घर घर आकर दवा देने पर भी फाइलेरिया की दवा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे (जन्म से 2 वर्ष), गर्भवती महिला एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को नहीं खिलाना चाहिए, इससे इन लोगों को नुकसान हो सकता है।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने आपदा मृतक के परिजनों को दी सहायता राशि का चेक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने प्राकृतिक आपदा से दिवंगत हुए जिले के व्यक्तियों के वारिस परिजनों के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी 6-4) के तहत प्रति परिवार 4 लाख रूपए का राशि स्वीकृत किया है और मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मृतक के परिजनों करिश्मा रत्नाकर, हेमलता रात्रे और पदुमलाल पटेल को प्रतीकात्मक चेक वितरित किया। इसमें सारंगढ़ तहसील के ग्राम टांगर निवासी मृतिका मीराबाई पटेल की सर्पदंश से, सरसीवा तहसील के ग्राम गगोरी के सम्मेलाल रात्रे का स्टॉप डेम में डूबने से और ग्राम तिलाईपाली के रामचरण रत्नाकर का नाला के पानी में डूबने से मौत हो गया है। इन परिजनों के बैंक खाता में सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

पोटाकेबिन आवासीय विद्यालयों में गड़बड़ी, 4 प्रभारी अधीक्षक सस्पेंड

बच्चों की फर्जी उपस्थिति दिखाकर राशन की राशि निकालने का मामला, जांच में खुलासा

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के पोटा केबिन आवासीय विद्यालयों में गड़बड़ी का मामला सामने आने पर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। बच्चों की फर्जी उपस्थिति दिखाकर राशन और मेस मद की राशि निकालने के आरोप में चार प्रभारी अधीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक एच आर सोम के आदेश पर आदित्य ठाकुर, प्रभारी अधीक्षक नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालक आवासीय विद्यालय भटवाड़ा, लक्ष्मीनारायण ओढदल, प्रभारी अधीक्षक आवासीय विद्यालय सेण्ड्रापल्ली, पुष्पलता सोनी, प्रभारी अधीक्षक आवासीय विद्यालय संगमपल्ली और रघुनंदन मौर्य, प्रभारी अधीक्षक आवासीय विद्यालय भटवाड़ा पर यह कार्रवाई हुई है। प्रारंभिक जांच में अनियमितताओं के संकेत मिलने के बाद विभाग ने यह कदम उठाया। ये सभी अलग-अलग स्कूलों में पदस्थ रहते हुए आवासीय विद्यालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।जांच के दौरान रिकॉर्ड और हकीकत में फर्क मिला। दस्तावेजों में बच्चों की संख्या ज्यादा दर्ज थी, जबकि मौके पर छात्र कम पाए गए। इसके बावजूद कागजों में पूरी उपस्थिति दिखाकर भोजन और मेस शुल्क की राशि निकाली जा रही थी। बताया गया है कि जुलाई से अक्टूबर के बीच अनुपस्थित बच्चों के नाम पर भी राशि आहरित की गई। जांच टीम को हाजिरी रजिस्टर में काट-छांट और रिकॉर्ड से छेड़छाड़ के संकेत भी मिले हैं। कई जगह हर महीने बनने वाला मेस गणना चार्ट नहीं मिला, जिसे नियमों के खिलाफ माना गया है।

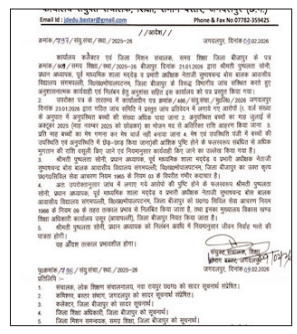

विभाग ने इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता माना है।

कलेक्टर बीजापुर की अनुशंसा पर हुई इस कार्रवाई के बाद संयुक्त संचालक शिक्षा एच आर सोम ने साफ किया है कि जांच अभी जारी है। इनके द्वारा जुलाई से दिसम्बर के बीच अनुपस्थित बच्चों के नाम पर राशि आहरित की गई। निलंबित शिक्षकों के खिलाफ आरोप पत्र जारी कर विभागीय जाँच किया जाएगा उस पर जो तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

एसडीएम बिलाईगढ़ प्रफुल्ल रजक ने अवैध खनिज परिवहन कर रहे वाहनों को किया जप्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के द्वारा समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश के पालन में एसडीएम बिलाईगढ़ प्रफुल्ल रजक ने अवैध रेत परिवहन कर रहे 1 हाइवा और 5 ट्रेक्टर तथा 1 ट्रेक्टर पत्थर को खनि अधिनियम के तहत जप्त कर भटगांव थाना में सुपुर्द किया है। इसमें दो ट्रेक्टर बिना नंबर का है।

12 एवं 13 फरवरी को बिलासपुर में संभागीय रोजगार मेला

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशानुसार प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र में अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 एवं 13 फरवरी को शासकीय मॉडल आईटीआई कोनी बिलासपुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता रहेगी। कंपनियों एवं वैकेंसी की विस्तृत जानकारी रोजगार विभाग के पोर्टल httpsÑ//erojgar.cg.gov.in (ईरोजगार सीजी डॉट जीओवी डॉट इन) एवं सीजी रोजगार पंजीयन ऐप से प्राप्त की जा सकती है।

विधानसभा सत्र के दौरान बिना अनुमति अवकाश व मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधानसभा का षष्ठम विधानसभा का अष्ठम सत्र सोमवार 23 फरवरी से प्रारंभ होकर शुक्रवार 20 मार्च 2026 तक आहूत किया गया है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के समस्त विभागों में पदस्थ एवं कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आदेशित किया है कि विधानसभा सत्र की अवधि में वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना न तो अवकाश पर रहेंगे और न ही मुख्यालय छोड़ेंगे। विधानसभा सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों, स्थगन प्रस्ताव, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचना, आश्वासनों, अशासकीय संकल्पों, याचिकाओं तथा लोक लेखा समिति से संबंधित पत्राचार एवं सूचनाओं पर निर्धारित समयावधि में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आदेश जारी किए हैं और इस कार्य के लिए अपर कलेक्टर श्रवण कुमार टंडन को जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

सीएमएचओ डॉ निराला ने स्कूलों का औचक निरीक्षण कर दिए आयुष्मान कार्ड बनाने और फाइलेरिया दवा सेवन के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर. निराला ने जिला स्तरीय टीम के साथ ग्राम सलोनी एवं उलखर के स्कूलों का दौरा कर स्वास्थ्य मानकों की समीक्षा किया। उनके साथ आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक रोशन सचदेव भी उपस्थित रहे। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और स्कूली बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को शासकीय एवं निजी विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया गया। ?निरीक्षण के दौरान टीम ने कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया और संबंधित स्कूल प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें दवा सेवन और विफ्स कार्यक्रम, आयुष्मान कार्ड संधारण शामिल है। ? शरीर से कृमि मुक्ति और हाथीपांव जैसी बीमारियों से बचाव के लिए दवा सेवन की स्थिति जांची गई। बच्चों को शिक्षकों की उपस्थिति में दवा सेवन सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं 'साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड अनुपूरण' (विफ्स) के तहत दी जाने वाली दवाओं के स्टॉक और बच्चों द्वारा इसके नियमित सेवन की जानकारी ली गई। स्कूल स्तर पर बच्चों के आयुष्मान कार्ड की उपलब्धता और उनके रिकॉर्ड संधारण की जांच की गई। डॉ. निराला ने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र बच्चा इस सुविधा से वंचित न रहे।

÷बच्चों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। स्कूलों में चल रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए यह निरीक्षण किया गया है, ताकि दवा सेवन और रिकॉर्ड संधारण में कोई लापरवाही न हो।÷

— डॉ. एफ आर. निराला, सीएमएचओ, सारंगढ बिलाईगढ़

सीएम साय की घोषणा को पूरा करने हुई जिला स्तरीय पर्यटन समिति की बैठक

माँ नाथलदाई मंदिर को पर्यटन केंद्र विकसित करने कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने किया रुपरेखा तैयार

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 26 दिसंबर 2024 को ग्राम टिमरलगा में किये घोषणा को पूरा करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पर्यटन समिति की बैठक की गई। समीक्षा बैठक में जिले के धार्मिक स्थल माँ नाथलदाई मंदिर को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने एवं सौन्दर्यीकरण के लिए रुपरेखा तैयार किया गया। माँ नाथलदाई मंदिर को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने कार्य की सूची में भवन निर्माण, रेस्टोरेंट, कार्यालय भवन, ज्योति कलश हाल, मेडिटेशन हाल, महिला और पुरुष के लिए अलग अलग 15 सीटर टॉयलेट, जलागार, मॉड्यूलर शॉप, साइट डेवलपमेंट वर्क, मंदिर और घाट का जीर्णोद्धार, नये घाट का निर्माण, भगवान शिव का मूर्ति, बाउंड्रीवाल, पार्किंग और चौपाटी एरिया, उद्यानिकी कार्य, बच्चों के खेलने के झूला आदि शामिल है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय, वन मण्डलाधिकारी विपुल अग्रवाल, अपर कलेक्टर एस के टंडन, सीईओ इंद्रजीत बर्मन, लोक निर्माण अधिकारी पी एल पैकरा, एसडीएम वर्षा बंसल, जल संसाधन विभाग के प्रभारी एसडीओ, सीएमओ ज्ञानपुंज कुलमित्र, क्रेडा अधिकारी शिवेंद्र सिंह उपस्थित थे।

कुचनूर कोरंडम खदान की पर्यावरण मंजूरी पर विधायक ने जताई आपत्ति

ग्राम सभा और जनसुनवाई के बिना स्वीकृति देना आदिवासियों के अधिकारों के खिलाफ-विक्रम मंडावी

बीजापुर/ भोपालपटनम/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के ग्राम कुचनूर में प्रस्तावित कोरंडम खदान को मिली पर्यावरण मंजूरी को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ने कड़ी नाराजगी जताई है।भोपालपटनम में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि बिना ग्राम सभा की सहमति और जनसुनवाई के खदान को मंजूरी देना गंभीर मामला है। मंडावी ने बताया कि तहसील भोपालपटनम के कुचनूर गांव में खसरा नंबर 826, रकबा 3.70 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थित खदान के लिए छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) को राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण ने स्वीकृति दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में स्थानीय पंचायतों और ग्रामीणों को भरोसे में नहीं लिया गया। विधायक ने कहा कि पेसा कानून, पंचायत राज अधिनियम और वन अधिकार कानून के अनुसार आदिवासी क्षेत्रों में किसी भी खनन परियोजना से पहले ग्राम सभा की अनुमति जरूरी होती है। लेकिन यहां न ग्राम सभा से चर्चा हुई और न ही जनसुनवाई कराई गई। यह सीधे तौर पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी है।उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ग्राम सभाओं को दरकिनार कर बड़े हितों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। बीजापुर जैसे आदिवासी बहुल इलाके में लोग जल, जंगल और जमीन पर निर्भर हैं, ऐसे में उनकी राय के बिना लिया गया फैसला उचित नहीं कहा जा सकता।मंडावी ने मांग की कि खदान की पर्यावरण स्वीकृति तत्काल रद्द की जाए, ग्राम सभा की बैठक बुलाकर सहमति ली जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से दोबारा शुरू हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।प्रेस वार्ता में पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कामेश्वर गौतम, वल्वा मदनैया, रमेश पामभोई, अरुण वासम, मिच्चा सम्मैया, विजार खान, चलपत उद्दे, नरेन्द्र मट्टी सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।